पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

जंग के बीच कुवैत से भारत लौटीं उर्वशी

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 46 ■ अंक : 8 ■ बुधवार 11 मार्च 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

उप राशनिंग कार्यालय बना भ्रष्टाचार का केंद्र!

■ राशनिंग अधिकारी कर रहे हैं खुलेआम भ्रष्टाचार-प्रमोद पाण्डेय

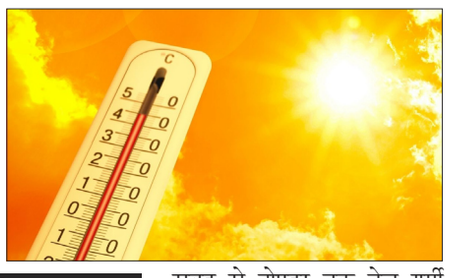

उल्हासनगर. ऐसी शिकायत उल्हासनगर - १ के शिवसेना विभाग प्रमुख प्रमोद पाण्डेय द्वारा करते हुए मुंबई, चर्चगेट स्थित राशनिंग कार्यालय के नियंत्रक (कंट्रोलर) को पत्र सौंपा गया है और साथ ही अन्य संबंधित विभागों सहित एंटी करपशन विभाग को भी उक्त शिकायत पत्र के प्रति भेजी गई है।

दरअसल प्रमोद पाण्डेय द्वारा अपने शिकायत पत्र के माध्यम से राशनिंग कंट्रोलर का ध्यान केंद्रित करवाया गया है कि उल्हासनगर राशनिंग 40 F के अंतर्गत 40F 12 राशनिंग दुकान बंद हुआ है और नियामानुसार बंद हुए दुकान को आसपास के दुकान में समाविष्ट किया जाता है ताकि राशन कार्डधारक लाभार्थीयों को राशन लेने में सहूलियत हो और उन्हें भटकना नहीं पड़े और अगर समीप का राशनिंग दुकान उक्त बंद हुई राशनिंग दुकान को अपनी दुकान में समाविष्ट करने के लिये सहमत नहीं होता है तो फिर उस राशनिंग दुकान से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) लेना अनिवार्य है और जिसके बाद उक्त बंद राशनिंग दुकान का अन्य किसी समीप के राशनिंग दुकान में समाविष्ट किया जाता है।

बता दे कि प्रमोद पाण्डेय की शिकायत के अनुसार 40 F उल्हासनगर का उप राशनिंग कार्यालय भ्रष्टाचार का केंद्र बन चुका है और उप राशनिंग कार्यालय के अधिकारी ज्योति भोर मैडम और महेश चैनानी खुलेआम भ्रष्टाचार कर रहे है और बंद हुई दुकान नं. 40 F12 को समीप की दुकानें 40 F 86, 40 F 266 और 40 F 212 में समाविष्ट करने की बजाय उस राशनिंग दुकान का काफी दूर की 40F 188 राशनिंग दुकान में समाविष्ट किया गया है क्योंकि उक्त तीनों दुकानों से २ लाख रक्कम की माँग की जा रही थी और राशनिंग दुकान नं. 40F 188 से २.५० लाख की रक्कम लेकर उसमें बंद राशनिंग दुकान नं. 40 F 12 को समाविष्ट किया गया है और जिस रकक्म में से १ लाख रूपए उप कंट्रोलर, ठाणे के नाम से लिये गए है जबकि शेष १.५० लाख की रक्कम ज्योति भोर मॅडम और महेश चैनानी द्वारा ली गई है। उसके अलावा महेश चैनानी नामक अधिकारी द्वारा उल्हासनगर के अन्य राशनिंग दुकानदारों को भी परेशान किया जाता है और अपने कर्मचारियों पर प्रत्येक दुकानदार से २ से २.५० हजार वसूलने का दबाव बनाया जाता है! वहीं जिन राशनिंग दुकानों की ज्योति भोर मैडम द्वारा जाँच की गई है तो उन दुकानों से भी महेश चैनानी द्वारा धमका कर वसूली की जाती है!

राशन लाभार्थियों को हो रही दिक्कत...

पाण्डेय के अनुसार बंद हो चुकी राशनिंग दुकान को दूर की राशनिंग दुकान में समाविष्ट करने के कारण राशनिंग लाभार्थीयों को राशन लेने में काफी अड़चन हो रही है और जिसके लिये उन्होंने कई बार आरओ मैडम से भेंट करके शिकायत भी की है लेकिन भ्रष्टाचार इतना बढ़ चुका है कि उनकी शायद शिकायत पर कुछ भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है और उसकी माहिती अधिकार के तहत जानकारी भी माँगी गई है लेकिन कोई भी प्रतिसाद नहीं मिल रहा है! ऐसे में प्रमोद पाण्डेय द्वारा राशनिंग कंट्रोलर से निवेदन किया गया है कि उक्त पूरे प्रकरण की जाँच की जाए और प्रकरण में शामिल संबंधित अधिकारीयों पर सख्त कारवाई भी की जाए ताकि उससे उल्हासनगर उप राशनिंग विभाग में ही रहे भ्रष्टाचार पर अंकुश लग सके !

गर्मी का कहर, पारा 40 पार

■ हीटस्ट्रोक का खतरा
■ गर्मी में बीमारियों से बचने की डॉक्टरों की अपील
■ अप्रैल-मई में पारा जाएगा 40 के पार
■ डॉक्टरों ने सावधानी बरतने की अपील की
■ बढ़ते तापमान ने लोगों की चिंता बढ़ाई

उल्हासनगर. कोंकण और मुंबई मेट्रोपॉलिटन एरिया में इस समय तेज़ गर्मी की लहर चल रही है। कई शहरों में तापमान 40 डिग्री तक पहुँच गया है। कल्याण-डोंबिवली में भी लोग हैरान हैं क्योंकि तापमान 40 को पार कर 42 डिग्री तक पहुँच गया है। कोंकण के मौसम वैज्ञानिक अभिजीत मोडक ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से तापमान लगातार बढ़ रहा है और यह इस साल का सबसे ज़्यादा तापमान है।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक, एंटीसाइक्लोनिक मौसम की स्थिति के असर से समुद्र से ठंडक कम हो गई है। मोदक ने कहा कि इस वजह से तट से थोड़ी दूरी पर बसे इलाकों में सूखी कॉन्टिनेंटल गर्मी का असर बढ़ गया है और तापमान तेज़ी से बढ़ रहा है। सोमवार (9 तारीख) को कोंकण में ज़्यादा से ज़्यादा तापमान के रिकॉर्ड के मुताबिक, तट से अंदरूनी इलाकों में कई जगहों पर तापमान औसत से 5 से 7 डिग्री सेल्सियस ज़्यादा दर्ज किया गया।

आमतौर पर, दोपहर के आस-पास समुद्र से आने वाली ठंडी हवाओं की वजह से कोंकण के तटीय इलाके में तापमान कुछ हद तक कंट्रोल में रहता है। लेकिन, समुद्री हवा देर से आने की वजह से सुबह से दोपहर तक तेज़ गर्मी महसूस हो रही है। इसलिए, एक्सपर्ट्स ने लोगों से अपील की है कि वे दोपहर में बेवजह बाहर न निकलें, खूब पानी पिएं और हीटस्ट्रोक से बचने के लिए ज़रूरी सावधानी बरतें।

प्रमुख शहरों का तापमान

(सेल्सियस में)

शहर	तापमान
कल्याण-डोंबिवली	42
विक्रमगड	43.5
महाड	43.2
भातसानगर	43
कर्जत	42.7
पनवेल	41.6
अंबरनाथ	41.6
बदलापूर	41.3
ठाणे	41.2
नेरुळ	41
विरार	41

पिछले कुछ सालों से शहर में तापमान लगातार बढ़ रहा है. इसमें पारा 40 डिग्री के पार चला गया है. शहर में अलग-अलग डेवलपमेंट के कामों के नाम पर बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई, ठाणे क्रीक का बहाव रुकना और मैंग्रोव जंगलों के खत्म होने से पर्यावरण खराब हो रहा है. पिछले साल दी गई पर्यावरण रिपोर्ट में ज्यादातर झीलें प्रदूषित पाई गई थीं. पता चला है कि खाड़ी के पानी में अमोनियाकल नाइट्रोजन का लेवल बढ़ गया है। आने वाले समय में लोगों को इन सब चीज़ों की कीमत चुकानी पड़ेगी। सड़क पर चलते समय पसीने से आंखों में अंधेरा छाना, थकान और अचानक चक्कर आना जैसी हेल्थ प्रॉब्लम हो सकती हैं। डॉक्टरों का कहना है कि ऐसी प्रॉब्लम किसी भी उम्र के इंसान को हो सकती हैं।

डॉक्टरों की सलाह...

■ डॉक्टरों का कहना है कि सही देखभाल न करने, पानी के साथ खाना खाने का समय छूट जाने और ठंडी चीज़ें कम खाने से हीट स्ट्रोक होता है। आँखों को दिखने वाली गर्मी सेहत के लिए बहुत खतरनाक होती है। हीट स्ट्रोक के हल्के लक्षणों में थकान, चक्कर आना और वात की गड़बड़ी शामिल हैं।

■ कुछ लोगों को गंभीर लक्षणों में ऐंठन हो सकती है। आमतौर पर, छोटे बच्चे, बुज़ुर्ग और महिलाएँ इस समस्या से परेशान हो सकती हैं। इन तीनों ग्रुप के लोगों को धूप में बाहर जाने से बचना चाहिए। बाकी लोगों को खास ध्यान रखना चाहिए। टोपी पहनें या सिर पर सफेद कपड़ा बाँधें। लगातार पानी पीते रहें। ORS लेने, कोकम सिरप लेने की सलाह दी जाती है।

■ डॉक्टर सलाह दे रहे हैं कि इसे और गंभीरता से लेने की ज़रूरत है। बढ़ते तापमान के साथ हेल्थ प्रॉब्लम भी बढ़ती हैं। इस वजह से शरीर में पानी का लेवल कम होने से हर साल थकान, चक्कर आना, सिरदर्द और पेट की बीमारियां होती हैं।

■ हालांकि दिन भर गर्मी महसूस होती है, लेकिन सुबह के समय तापमान सबसे ज़्यादा रिकॉर्ड किया जाता है। गर्मियों में घर से बाहर निकलने वाले और लोकल ट्रेनों से सफ़र करने वाले यात्रियों को हेल्थ की ज़्यादा चिंता होती है।

पति की हत्या के बाद सदमे में पत्नी ने कर ली आत्महत्या

■ हत्या के विरोध में सफाई कर्मचारियों का काम बंद आंदोलन
■ पति की हत्या की खबर के सदमे में पत्नी ने की आत्महत्या

उल्हासनगर. उल्हासनगर में एक सफाई कर्मचारी की हत्या की घटना सोमवार (9 तारीख) को सामने आई। कैंप नंबर 3 में सफाई कर्मचारी महादू जगताप की नशे में धुत व्यक्ति ने 32 बार चाकू घोंपकर बेरहमी से हत्या कर दी। घटना का मानसिक सदमा बर्दाश्त न कर पाने के कारण उसकी पत्नी ने कुछ ही घंटों में अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी दुर्गेश गुप्ता को एक घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया।

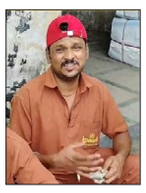

मिली जानकारी के अनुसार, महादू जगताप शहाड गावठाण इलाके में रहता था। वह एक कंपनी में सफाई कर्मचारी के तौर पर काम कर रहा था। जब वह सुबह काम पर था, तो कैंप नंबर 3 की पूर्व नगरसेविका इंदिरा उदासी के घर के सामने नशे में धुत आरोपी ने अचानक उस पर चाकू से हमला कर दिया। आरोपी ने महादू जगताप पर 32 बार चाकू से वार किया। वह गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

घर पर फांसी

पति की मौत की खबर सुनते ही महादु जगताप की पत्नी को मानसिक आघात लगा। इसी सदमे के कारण बताया गया है कि उसने अपने आवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस दोहरी त्रासदी से क्षेत्र में शोक फैल गया है और नागरिक तीव्र भावनाएं व्यक्त कर रहे हैं।

दो छोटे बच्चे हो गए अनाथ

महादु जगताप की एक सात साल की बेटी और एक चार साल का बेटा है और उन पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। इलाके के लोगों ने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंता जताई है.

काम बंद आंदोलन

घटना के विरोध में कोणार्क इन्वायरो कंपनी के सफाई कर्मचारियों और कामगार संघटना के सदस्यों ने कामबंद आंदोलन शुरू कर दिया। कर्मचारियों ने अपनी मांगें पूरी होने तक शव को कब्जे में लेने से भी इंकार कर दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी और कामगार संघटना के पदाधिकारी सेंट्रल हॉस्पिटल में एकत्रित हुए। कर्मचारियों की मांग थी कि मृतक महादु जगताप के परिवार को न्याय और आर्थिक सहायता दी जाए।

घटना की गंभीरता को देखते हुए महापौर अश्विनी निकम, शिवसेना उपजिला प्रमुख एवं नगरसेवक अरुण आशान, पालिका सफाई अधिकारी एकनाथ पवार तथा सलोनी नींबकर सेंट्रल हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने पीड़ित परिवार और आंदोलन कर रहे कर्मचारियों से मुलाकात कर उनकी मांगों को सुना। इस दौरान कोणार्क इन्वायरो कंपनी के मालिक धीरज जेठानी ने मृतक महादु जगताप के परिवार को आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया।

वहीं महापौर अश्विनी निकम ने भी परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया और शहर की सफाई व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कर्मचारियों से शव को कब्जे में लेने तथा आंदोलन समाप्त करने की अपील की। आश्वासन मिलने के बाद पीड़ित परिवार, सफाई कर्मचारी और कामगार संघटना के सदस्यों ने शव को कब्जे में लेने पर सहमति जताई। इस दौरान किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए पुलिस का बंदोबस्त भी तैनात किया गया था।

अंबरनाथ नगर परिषद का उल्हासनगर मनपा को पत्र

पात्र झोपड़ीवासियों का होगा पुनर्वास

■ शिवमंदिर प्रोजेक्ट से प्रभावित लोगों को राहत

उल्हासनगर. ऐसे संकेत हैं कि प्राचीन शिव मंदिर इलाके के सौंदर्यीकरण और वालधुनी नदी घाट डेवलपमेंट प्रोजेक्ट से प्रभावित झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों के पुनर्वास की समस्या आखिरकार हल हो जाएगी। अंबरनाथ नगर परिषद के चीफ ऑफिसर उमाकांत गायकवाड़ ने उल्हासनगर मनपा आयुक्त को एक लेटर भेजा है, जिसमें साफ तौर पर भरोसा दिलाया गया है कि योग्य प्रभावितों का सरकारी नियमों के अनुसार पुनर्वास किया जाएगा।

शिव मंदिर और वालधुनी नदी के किनारे हो रहे डेवलपमेंट कामों से अंबरनाथ-उल्हासनगर बॉर्डर पर कुछ कंस्ट्रक्शन प्रभावित हो रहे हैं। एडमिनिस्ट्रेशन के एक जॉइंट सर्वे से पता चला है कि कुल 31 कंस्ट्रक्शन (30 घर और 1 दुकान) प्रोजेक्ट में रुकावट डाल रहे हैं। चूंकि ये घर लगभग 25 से 30 साल पुराने हैं, इसलिए स्थानीय नागरिकों ने फैसला किया था कि जब तक कोई दूसरी जगह नहीं मिल जाती, वे घरों को नहीं हटाएंगे। अंबरनाथ नगर परिषद के चीफ ऑफिसर ने एक लेटर में कहा है कि महाराष्ट्र सरकार की रिहैबिलिटेशन प्रोसेस की मौजूदा पॉलिसी के हिसाब से एलिजिबल झुग्गी-झोपड़ी में रहने वालों को दूसरे घर दिए जाएंगे। बेनिफिशियरी के डॉक्यूमेंट्स वेरिफाई करके इस बात का भी खास ध्यान रखा जाएगा कि किसी के साथ कोई नाइंसाफी न हो। यह भरोसा दिलाया गया है कि रिहैबिलिटेशन का पूरा प्रोसेस नियमों के हिसाब से और फेज में लागू किया जाएगा।

पिछले कुछ दिनों से इस बेदखली की कार्रवाई से इलाके में टेंशन का माहौल है। हालांकि, म्युनिसिपल काउंसिल के ऑफिशियली रिहैबिलिटेशन की जिम्मेदारी संभालने से प्रभावित लोगों को बड़ी राहत मिली है। उम्मीद है कि दोनों म्युनिसिपैलिटी के कोऑर्डिनेशन से यह डेवलपमेंट प्रोजेक्ट अब पटरी पर आ जाएगा।

अंबरनाथ गट संख्या बल का आज हो सकता है निर्णय

जिलाधिकारी के निर्णय का सभी नगरसेवकों को इंतजार

अंबरनाथ. अंबरनाथ विकास आघाड़ी (भाजपा+) और शिवसेना राकांपा गट संख्या बल का मामला जिलाधिकारी ठाणे के पास विचाराधीन है. जिसकी तारीख आज 11 मार्च को है. अगर आज निर्णय आ गया तो ये साफ हो जाएगा कि भाजपा अंबरनाथ विकास आघाड़ी का गट सही है या शिवसेना राकांपा का गट सही है.

नगरसेवकों में ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं ये गट का मामला लंबा खिंच सकता है. गट का निर्णय नहीं आने से अंबरनाथ नगर परिषद के विषय समिति के एवं सभापति के चुनाव अभी बाकी है. स्टैंडिंग कमेटी भी अभी तक बनी नहीं है. नगराध्यक्षा ने 13 तारीख को जी.बी. सभा का आयोजन किया है. अगर 11 तारीख को जिलाधिकारी का निर्णय आ गया तो 13 मार्च के सभा में ये पता चल जाएगा कि किस गट को जिलाधिकारी ने मान्यता दी है और विषय समितियों पर किसका कब्जा होगा. ज्यादातर नगरसेवकों की ऐसी सोच है कि आज भी तारीख मिलेगी. ये मामला तूल पकड़ सकता है. जिलाधिकारी के निर्णय के बाद भी ये मसला उच्च न्यायालय में जा सकता है. इसलिए स्टैंडिग कमेटी बनने से पहले ही नगराध्यक्षा का जी.बी. सभा का आयोजन करना सही है? ऐसा जानकारों का कहना है क्योंकि जीबी में जो भी विषय पारित होगा, उस पर स्टैंडिंग कमेटी का मोहर लगना जरूरी है. तभी जाकर शहर में विकास कार्य की शुरूआत होगी.

दिनदहाड़े चोरी करने वाला संदिग्ध गिरफ्तार

ठाणे. मुंब्रा पुलिस ने एक ऐसे दिनदहाड़े चोर को गिरफ्तार किया है जो पिछले कुछ समय से मुंब्रा इलाके में घरों में घुसकर चोरी कर रहा था। इस आरोपी से घर में सेंधमारी के 48 मामलों का खुलासा हुआ है और पुलिस ने करीब 1 करोड़ 39 लाख रुपये कीमत के 1.03 kg सोने के गहने जब्त किए हैं।मुंब्रा इलाके में घरों में घुसकर सेंधमारी और सोने-चांदी के गहने चोरी करने की बढ़ती घटनाओं से लोगों में डर का माहौल बन गया था। इसी पृष्ठभूमि में, मुंब्रा पुलिस स्टेशन और क्राइम ब्रांच यूनिट-1 की एक टीम ने मामले की पूरी जांच शुरू की।

अंबरनाथ नपा की आम सभा 13 मार्च को

■ 219 विषयों पर चर्चा
■ 8 वर्षों के बाद हो रही सभा
■ हर प्रभाग में 50 लाख रुपयों के विकास कार्य पर चर्चा

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद की जनरल बॉडी मीटिंग (आम सभा) 13 मार्च शुक्रवार को नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले पाटिल ने नपा सभागृह में सुबह 11 बजे आयोजित की है. 59 नगरसेवकों एवं स्वीकृत नगरसेवकों को इसकी सूचना दे दी गई है. लगभग 8 वर्षों बाद हो रही आमसभा में कुल 219 विषयों पर चर्चा करके निर्णय लिए जाएंगे. हर एक नगरसेवक के 25 लाख रुपयों के एवं हर प्रभाग के लिए लगभग 50 लाख रुपयों के विकास कार्य के मुद्दे रखे गए हैं. हर एक पक्ष के नगरसेवक को खुश रखने का काम नगराध्यक्षा ने किया है. लेकिन कोई बड़ा ठोस काम विषय में नहीं है. कुल 15 से 16 करोड़ रुपयों का गटर बनाना, चेकर्स टाइल्स, बिठाना, पायवाट बनाना, पेवर ब्लॉक बिठाना आदि कामों पर चर्चा करके उसे पारित किया जाएगा. अन्य महत्वपूर्ण विषय है. 2025 के चुनाव में नपा के दो कर्मचारी सड़क हादसे में निधन पा गए थे. उनके वारिसों को चुनाव आयोग के आदेश पर सानुग्रह अनुदान देना, अनुकम्पा तत्व पर नपा में कर्मचारियों की नियुक्ति, वृक्ष समिति की स्थापना करना, नाला सफाई पर 50 लाख रु. खर्च, शहर में ट्रैफिक जाम के मसले को लेकर, ट्रैफिक वार्डन की नियुक्ति करना, नपा स्कूलों में विज्ञान प्रयोगशाला स्थापना करना, अंबरनाथ स्टेशन एरिया में सैटिस प्रकल्प, पार्किंग एरिया आरक्षित जगह की वाहतुक व्यवस्था विकसित करने पर चर्चा शहर पश्चिम में पानी की टंकी के पास आरक्षण क्र. 96 खाली जगह पर 52 लाख 58 हजार खर्च करके पार्किंग स्थल बनाना, पश्चिम में वडवली गांव के पास श्वाननिर्बीजी करण केंद्र निर्माण पर एक करोड़ 26 लाख रुपए खर्च पर चर्चा, पूर्व और पश्चिम में चिंचपाड़ा खदान सफाई पर 90 लाख रुपए खर्च, मटका चौक का सुशोभिकरण करने पर 27 लाख रुपए खर्च करना, डम्पिंग मैदान में शहर के जमा कचरे का वजन करने के लिए 15 लाख रुपयों का वजन कांटा खरीदना, इन सब विषयों पर चर्चा करके नगरसेवक मंजूरी देंगे.

उल्हास नदी के डूब वाले इलाके में वृक्षारोपण का दिखावा

■ पर्यावरणविद् रवींद्र लिंगायत का खुलासा

उल्हासनगर. उल्हास नदी के किनारे बने रीजेंसी घाट को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल उठे हैं। सरकार के संबंधित डिपार्टमेंट पहले ही इस घाट को गैर-कानूनी बता चुके थे। मरहूम सोशल एक्टिविस्ट सरिता खानचंदानी ने लगातार फॉलोअप किया था और पब्लिक वर्क्स डिपार्टमेंट, वॉटर रिसोर्स डिपार्टमेंट और महाराष्ट्र पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से रिकॉर्ड करवाया था कि इस घाट पर काम गैर-कानूनी था। हालांकि, सरिता की मौत के बाद यह बात सामने आई है कि कुछ लोकल नेताओं और एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों के सपोर्ट से उसी घाट पर गैर-कानूनी काम शुरू हो गया है। पर्यावरणविद् रवींद्र लिंगायत ने यह खुलासा करके हलचल मचा दी है कि नदी के तल में बड़ी मात्रा में मलबा डाला जा रहा है और उस पर पेड़ लगाए जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों और पर्यावरण प्रेमियों के मुताबिक, यह पहल दिखावटी और गुमराह करने वाली है। क्योंकि हर साल मानसून के दौरान उल्हास नदी में बड़ी बाढ़ आती है, इसलिए इस बात की पूरी संभावना है कि नदी के तल में डाला गया मलबा और उस पर लगे पेड़ मानसून में बह जाएंगे। इसलिए, आरोप लगाया जा रहा है कि यह पहल पर्यावरण संरक्षण के लिए नहीं, बल्कि सिर्फ टेंडर जारी करने, फंड खर्च दिखाने और पैसे का फायदा उठाने के लिए की जा रही है। इसी इलाके में, म्हारल गांव के पास सीवेज ट्रीटमेंट प्रोजेक्ट फंड की कमी के कारण अधूरा पड़ा है। अगर यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाता, तो उल्हास नदी में प्रदूषण काफी हद तक कम हो सकता था। हालांकि, पर्यावरणविद् रवींद्र लिगायत ने कहा कि एक तरफ जहां फंड की कमी के कारण पर्यावरण का एक ज़रूरी प्रोजेक्ट रुका हुआ है, वहीं दूसरी तरफ गैर-कानूनी घाट पर गैर-जरूरी कामों पर फंड खर्च होने से लोग गुस्सा दिखा रहे हैं।

स्थानीय निवासियों द्वारा और भी गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। निवासियों के अनुसार, एक बिल्डर ने म्हारल नाले पर कब्ज़ा कर लिया है और नाले पर ही RCC स्लैब बिछाकर बगीचा बना लिया है। यह भी कहा जा रहा है कि नदी के किनारे कई तरह के कंस्ट्रक्शन किए गए हैं, जिसमें एक टेलीकॉम टावर भी लगाया गया है। हैरानी की बात है कि एडमिनिस्ट्रेशन ने अभी तक इन सभी मामलों पर कोई ठोस एक्शन नहीं लिया है।

निवासियों ने बड़े आंदोलन की चेतावनी दी

खास बात यह है कि उस जगह पर चल रहे काम के वीडियो और फोटो सबूत भी सामने आए हैं। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बताया कि यह सबूत जल्द ही एडमिनिस्ट्रेशन और मीडिया के सामने पेश किए जाएंगे। उल्हास नदी लाखों निवासियों की जीवन रेखा है। लोगों और पर्यावरणविदों ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर नदी के तल में ही गैर-कानूनी दखलंदाजी की गई, तो इसके खिलाफ एक मजबूत पब्लिक मूवमेंट शुरू किया जाएगा।

रिक्शा चालकों का गणवेश अब होगा सफेद

■ खाकी गणवेश किया गया बंद
■ रिक्शा-टैक्सी परमिट को स्थगिती
■ अंबरनाथ रयत वाहतुक संघटना ने किया स्वागत

अंबरनाथ. महाराष्ट्र शासन ने रिक्शा चालक एवं मालिकों के लिए खाकी गणवेश को पूरी तरह बंद कर दिया है. चालक हो या मालिक दोनों के लिए सफेद गणवेश कर दिया गया है. परिवहन आयुक्त कार्यालय मुंबई के सह परिवहन आयुक्त संदेश चव्हाण द्वारा जारी महाराष्ट्र मोटर वाहन नियम के अनुसार 1989 के नियम 21 (18) में सुधार किया गया है. इस नियम में से खाकी के स्थान पर सफेद मजकूर दाखिल किया गया है. अब से सभी रिक्शा चालक और मालिक को अधिकृत गणवेश सफेद कर दिया गया है. रयत वाहतुक संघटना अंबरनाथ तालुका अध्यक्ष आशीष रामकृष्ण देशपांडे ने रिक्शा चालकों से अपील की है कि वह खाकी ड्रेस को बाय-बाय बोलकर सफेद ड्रेस पहनें. उन्होंने ये भी कहा है कि अगर इस नियम का पालन रिक्शा चालकों या मालिकों द्वारा नहीं किया गया तो उनसे 500 रुपए दंड शासन वसूल करेगा.

देशपांडे ने हमें ये भी बताया कि 9 मार्च से नई आटो रिक्शा व टैक्सी परवाना (परमिट) को फिलहाल स्थगिती देने का निर्णय एक महत्वपूर्ण बैठक में लिया गया है. इस बैठक में परिवहन आयुक्त राजेश नार्वेकर के साथ सभी प्रादेशिक, उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी उपस्थित थे. ऐसी जानकारी देते हुए देशपांडे ने इस निर्णय का स्वागत किया है.

विदित हो कि राज्य भर में 14 लाख से ज्यादा आटो रिक्शा व टैक्सी परमिट जारी किए गए हैं. महाराष्ट्र में लोगों को अच्छी, सुरक्षित और सुलभ ट्रैफिक सुविधा उपलब्ध करके देने के लिए शासन जल्द ही आवश्यक निर्णय लेने वाली है.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

51 अस्पतालों को रियायती जमीन

नेपाल में हुए चुनाव के नतीजे आने के बाद देश की राजनीतिक तस्वीर काफी हद तक साफ हो गई है। नई पीढ़ी के अगुआ बने बालेंद्र शाह की राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने कई दिग्गजों और पुरानी पार्टियों को भारी शिकस्त दी है। अगर सब कुछ उम्मीद के अनुरूप हुआ और बालेंद्र शाह को ही नेता चुना गया, तो नेपाल के संसदीय इतिहास में वे सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री होंगे। अब तक वहां जितने भी प्रधानमंत्री बने हैं, वे कभी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके।

माना जा रहा है कि दो-तिहाई सीटों पर जीत के साथ स्पष्ट बहुमत हासिल कर चुकी आरएसपी के नेतृत्व में बनने वाली सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। देश में पिछले दिनों हुए चुनावों में नागरिकों और विशेषकर युवा वर्ग ने इस पार्टी पर जिस तरह भरोसा किया है, उसके मद्देनजर नेपाल में भावी सरकार के सामने जन आकांक्षाओं को पूरा करने की बड़ी चुनौती होगी।

वहीं नई सरकार को घरेलू समस्याओं से निपटने के साथ देश के आर्थिक विकास में आए ठहराव को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करना होगा। उसे पड़ोसी देशों खासकर India से संबंध बेहतर बनाने के भी प्रयास करने होंगे। पुरानी सरकार के कामकाज के जिस तरीके के खिलाफ वहां युवा वर्ग के भीतर व्यापक आक्रोश पैदा हुआ, उसे बदलना सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक होगा।

नेपाल के लोगों का मानना है कि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के नेता बालेंद्र शाह के भीतर देश की राजनीति और नीतियों को बदल सकने की क्षमता है। दरअसल, शाह को महापौर के अपने कार्यकाल में जमीनी स्तर पर सुधार के कई कार्यों के लिए जाना जाता है। चुनावी नतीजों के बाद अब उनसे उम्मीद की जा रही है कि वे भ्रष्टाचार पर कड़ा प्रहार करने के साथ व्यवस्था में भी बड़ा बदलाव करेंगे।

नई सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती रोजगार सृजन की भी होगी। नेपाल में बेरोजगारी एक बहुत बड़ी समस्या है और बड़ी संख्या में वहां के युवा वर्षों से काम के लिए पलायन करते रहे हैं। बहरहाल, नेपाल में छह महीने पहले व्यवस्था में पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर नई पीढ़ी के व्यापक आंदोलन से उभरे बालेंद्र शाह और उनकी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सबकी उम्मीदों पर कितना खरा उतरेंगे, देश को किस तरह की वैकल्पिक राजनीति देंगे, यह देखने की बात होगी।

लोकतंत्र का उपहास उड़ाती रेवड़ी संस्कृति

अभी हाल में सुप्रीम कोर्ट ने सरकारों द्वारा चुनावी राजनीति के दृष्टिगत मुफ्त सुविधाएं बांटने वाली प्रवृत्ति की कड़ी आलोचना की। ऐसी राजनीति को देश के आर्थिक विकास में बाधक बताते हुए कोर्ट ने कहा कि समर्थ लोगों को भी मुफ्त सुविधाएं देना गलत है और ऐसी सुविधाएं बांटने की बजाय सरकारों को रोजगार पैदा करने पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट तमिलनाडु सरकार द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें विद्युत संशोधन नियम 2024 के उस नियम 23 को रद करने की मांग की गई थी, जो राज्य सरकार द्वारा गरीब-अमीर, सभी को मुफ्त बिजली आवंटन के उसके प्रस्ताव में बाधा बन रहा था। सुनवाई के दौरान करदाताओं के पैसे का मुफ्त सुविधाओं और कैश ट्रांसफर के लिए अंधाधुंध उपयोग करने पर भी कोर्ट ने गहरी चिंता व्यक्त की। उसने इस पर हैरानी जताई कि वित्तीय घाटे के बावजूद राज्य सरकारें मुफ्तखोरी को बढ़ावा दे रही हैं और इन योजनाओं के लाभार्थियों में संपन्न लोग भी शामिल हैं।

चुनाव पूर्व इस वित्त वर्ष के लिए पेश तमिलनाडु के बजट में लगभग 99,000 करोड़ की राशि कैश ट्रांसफर, सब्सिडी और मुफ्त योजनाओं के लिए आवंटित की गई है। यह राशि समूचे बजट की एक तिहाई बनती है, जबकि विकास कार्यों में खर्च होने वाली राशि इस व्यय की आधी यानी करीब 47,000 करोड़ है। बजट राशि का ऐसा बेपरवाह आवंटन एक राजनीतिक प्रवृत्ति बन गया है और इसके दुष्परिणाम अनेक राज्यों में देखे जा सकते हैं। यह विडंबना ही

है कि सुप्रीम कोर्ट की ओर से रेवड़ी संस्कृति पर चिंता जताए जाने के बीच ही अभिनेता से नेता बने विजय ने घोषणा की कि उनके दल टीवीके की सरकार बनने पर 60 साल की उम्र तक की महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता, हर परिवार को साल में छह मुफ्त एलपीजी सिलेंडर, दिए जाएंगे।

उन्होंने अन्य लोकलुभावन घोषणाएं करते हुए युवतियों की शादी के समय आठ ग्राम सोना और एक रेशमी साड़ी देने का भी वादा किया। ऐसी योजनाओं ने कई राज्यों के राजकोष पर भारी दबाव बनाया है। पंजाब की स्थिति विशेषकर खराब है। यहां कुल राजस्व प्राप्ति का 18 प्रतिशत बिजली की सब्सिडी में ही व्यय हो रहा है। राज्य के बजट का 10 प्रतिशत से भी कम आवंटन विकास परियोजनाओं की मद में हो रहा है। बिजली सब्सिडी के अलावा अन्य लाभार्थी योजनाओं के चलते पंजाब का वित्तीय प्रबंधन इतना खराब हो चला है कि ऋण से राज्य सकल घरेलू उत्पाद यानि डेट टू एसजीडीपी रेशियो 45 से 46 प्रतिशत के करीब आ पहुंचा है। जबकि राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन यानी एफआरबीएम समिति इसे 20 प्रतिशत पर रखने का सुझाव देती है। इसके बाद भी पंजाब सरकार ने महिलाओं को हर माह 1,000 रुपये देने की घोषणा की है।

वर्ष 2025-26 के अंत तक कर्नाटक पर कुल देनदारियां 7.64 लाख करोड़ तक पहुंच गई थीं, जो सकल राज्य घरेलू उत्पाद का 27 प्रतिशत है। कर्नाटक का डेट टू एसजीडीपी रेशियो अभी ठीक है, पर यह 10 वर्ष पूर्व की स्थिति से काफी खराब है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस प्रवृत्ति को रेवड़ी संस्कृति बताते हुए इसकी आलोचना की थी, पर दुखद यह है कि भाजपा शासित मध्य प्रदेश और राजस्थान में भी वित्त प्रबंधन बुरी तरह गड़बड़ाया हुआ है। मध्य प्रदेश के 2026-27 के 4.38 लाख करोड़ रुपये के बजट में लगभग 80,000 करोड़ रुपये राशि का आवंटन कैश ट्रांसफर, सब्सिडी और कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया गया है। यह राशि लाड़ली बहना, लाड़ली लक्ष्मी, किसान कल्याण, तीर्थ यात्रा, साइकिल एवं दुग्ध वितरण और बिजली सब्सिडी जैसे प्रयोजनों पर खर्च की गई है।

रेवड़ी संस्कृति के चलते पंजाब, बंगाल, आंध्र और राजस्थान ऐसे राज्य बन गए हैं, जहां ढांचागत विकास कार्यों पर पूंजीगत व्यय कुल बजट के 10 प्रतिशत से भी कम हो गया है। इस परिपाटी का दुखद पहलू यह है कि सामाजिक कल्याण और मुफ्तखोरी में भेद खत्म हो गया है। पार्टियां स्कूटी, टीवी, मिक्सर ग्राइंडर और सोना तक बांटने की घोषणा करती हैं। मुफ्तखोरी पर खर्च प्रत्येक रुपया शिक्षा, स्वास्थ्य एवं ढांचागत विकास जैसे आवश्यक निवेश की कीमत पर हो रहा है, जिनसे गरीबी उन्मूलन और रोजगार सृजन का दीर्घकालिक समाधान संभव है। ऐसा नहीं है कि पार्टियां यह सब समझती नहीं।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

समय हमारी सबसे कीमती वस्तु है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज सोम - शनि सुबह ६.३० से ६.५० तक

होर्मुज संकट और युद्ध की आंच

पश्चिम एशिया में जारी युद्ध में एक ओर इजराइल-अमेरिका की तरफ से हमले में ईरान के तेल उत्पादन केंद्रों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश हो रही है, तो दूसरी ओर ईरान के जवाब की जद में भी कतर, बहरीन और सऊदी अरब जैसे खाड़ी के कई तेल उत्पादक देश आ रहे हैं। इसके अलावा, ईरान ने होर्मुज समुद्री मार्ग को जिस तरह बाधित कर दिया है, उसका मुख्य असर तेल की आपूर्ति पर पड़ना शुरू हो चुका है।

हमलों की तीव्रता अगर बनी रही, तो केवल भारत नहीं, समूचे एशिया में तेल और गैस की कीमतें काफी बढ़ सकती हैं। एशिया के कई विकासशील देश शायद इसका बोझ नहीं उठा पाएंगे और नतीजतन उन्हें अपने यहां तेल और गैस की मांग को घटाने की जरूरत पड़ सकती है। ऐसे में भारत के सामने भी अपने तेल और गैस की जरूरत भर आपूर्ति को बनाए रखने की बहुस्तरीय चुनौती आ खड़ी हुई है। तेल खरीद के मोर्चे पर भारत जिन नई परिस्थितियों से दो-चार है, उसमें अब स्वाभाविक ही नए विकल्प तैयार करना वक्त का तकाजा है।

दरअसल, व्यापार समझौते में अमेरिका ने जिस तरह भारत के सामने रूस से तेल नहीं खरीदने की शर्त लगाई, उससे स्थितियां ज्यादा जटिल हुईं। मगर

युद्ध की वजह से पैदा हुई नई परिस्थिति में इस संदर्भ में फैसला लेने के लिए भारत स्वाभाविक ही अपनी जरूरतों के मुताबिक कदम बढ़ा रहा है। शायद यही वजह है कि होर्मुज जलडमरूमध्य का रास्ता रोके जाने के बाद पैदा होने वाली स्थिति के मद्देनजर भारत को अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए रूस या अन्य विकल्प की ओर देखने को लेकर अमेरिका ने नरम रुख अख्तियार किया है।

गौरतलब है कि भारत में एलएनजी यानी तरल प्राकृतिक गैस का पचास फीसद खाड़ी देशों से आता है, जिसका उपयोग बिजली उत्पादन और खाद बनाने में किया जाता है। इसी तरह एलपीजी का साठ फीसद इन्हीं देशों से आता है। मगर जब से ईरान ने होर्मुज समुद्री मार्ग को बाधित किया है, तब से तेल और गैस की सहज आपूर्ति पर इसका व्यापक असर पड़ा है। हमले के कई दिनों बाद भी दोनों पक्षों की ओर से युद्ध विराम के लिए किसी तरह की पहल करने के संकेत नहीं दिख रहे हैं। ऐसे में दुनिया के एक बड़े हिस्से में तेल और गैस का संकट खड़ा हो सकता है।

हालांकि भारत के पास अगले करीब दो महीने के लिए अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए पर्याप्त भंडार है, लेकिन अभी जिस तरह युद्ध के लंबा खिंचने की आशंका दिख रही है, उसके मद्देनजर पूर्व तैयारी की जरूरत है। इसी वजह से भारत ने अब अपनी ऊर्जा खरीद की रणनीति में काफी बदलाव किया है, ताकि किसी एक रास्ते के बाधित होने पर आपातकालीन आपूर्ति भी बाधित होने की स्थिति न पैदा हो।

फिलहाल भारत ने जहां रूस से तेल खरीदने का रास्ता खुला रखा है, वहीं अब इसके सामने पश्चिम अफ्रीका, अमेरिका, मध्य एशिया और कई अन्य देशों से आपूर्ति को सहज बनाए रखने का विकल्प है।

इसके अलावा, आस्ट्रेलिया और कनाडा सहित कई अन्य देशों ने भी गैस आपूर्ति की पेशकश की है और मौजूदा संकट को देखते हुए भारत अपनी ऊर्जा साझेदारी के दायरे में विस्तार कर रहा है। जाहिर है, मुश्किल वक्त में भारत ने अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के नए रास्ते तैयार किए हैं और उम्मीद है कि युद्ध की वजह से उपजे संकट की मार आम लोगों पर नहीं पड़ेगी।

चट्टान काटकर बनाए कमरे से मिलीं 3000 साल पुरानी ममी

जरा हट के

आमिस्र के लक्सर शहर में जमीन के नीचे दबे रहस्यों को खोजने के दौरान पुरातत्वविदों को एक बड़ी सफलता मिली है. विशेषज्ञों की एक टीम ने कुरना इलाके में खुदाई के दौरान चट्टान को काटकर बनाया गया एक मुर्दाघर खोज निकाला है, जिसमें 22 लकड़ी के रंगीन ताबूत मिले हैं. इन ताबूतों के भीतर रखी गई ममी करीब 3,000 साल पुरानी बताई जा रही हैं, जो इतिहास के 'थर्ड ट्रांजिशन एरा' से ताल्लुक रखती हैं. इस खोज को इसलिए

भी असाधारण माना जा रहा है क्योंकि ये ताबूत अभी भी अपनी मूल रंगत और चमक को बरकरार रखे हुए हैं, जिससे उस दौर की कला और संस्कृति का पता चलता है. साथ ही इन पर ऐसे शब्द लिखे हैं, जिससे पता चलता है कि ये ममी किन लोगों की हो सकती है. डॉ. जाही हवास की अगुवाई में हुई इस खुदाई में पाया गया कि ये ताबूत पंक्तियों में सजाकर रखे गए थे.

सबसे दिलचस्प बात यह है कि इन ताबूतों पर किसी व्यक्ति का नाम होने के बजाय उनके 'खिताब' लिखे हुए हैं. इनमें सबसे आम खिताब 'गायक' मिला है. पुरातत्वविदों का मानना है कि ये अवशेष उस समय के संगीतकारों या गायकों के हो सकते हैं. इससे शोधकर्ताओं को प्राचीन मिस्र के संगीत और उस दौर में कलाकारों के सामाजिक स्तर को समझने में बहुत मदद मिलेगी. हालांकि, समय के साथ लकड़ी और अवशेष काफी खराब होने लगे थे, इसलिए पुरातत्वविदों ने बड़ी सावधानी से इनकी सफाई और मरम्मत का काम शुरू किया है ताकि इन्हें भविष्य के लिए सहेजकर रखा जा सके. इन ताबूतों की चमक और रंगों को बचाने के लिए वैज्ञानिकों को लकड़ी के रेशों का खास केमिकल ट्रीटमेंट करना पड़ा. खुदाई के दौरान इस मुर्दाघर में सीलबंद 'पैपाइरस' (प्राचीन मिस्र का कागज) भी मिले हैं.

उम्मीद जताई जा रही है कि इन दस्तावेजों में उन लोगों की पहचान और उनके जीवन के बारे में अहम सुराग मिल सकते हैं, जिनके नाम ताबूतों पर नहीं लिखे थे. लक्सर के वेस्ट बैंक में स्थित सेनब कब्रिस्तान में हुई यह खोज इतिहास के पन्नों में एक नया अध्याय जोड़ सकती है.

हरा भरा कबाब

सामग्री

- 2 मध्यम आकार के उबले हुए आलू
- 1 कप कद्दूकस की हुई फूलगोभी
- ½ कप बारीक कटी बीन्स
- ½ कप उबले हुए मटर
- 1 कप बारीक कटा हुआ पालक
- **बाइंडिंग के लिए-** 3 बड़े चम्मच बेसन (भुना हुआ) या ब्रेड क्रम्ब्स
- **मसाले-** 1 छोटा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, 2 बारीक कटी हरी मिर्च, 1 चम्मच चाट मसाला, ½ चम्मच गरम मसाला, ½ चम्मच भुना जीरा पाउडर और स्वादानुसार नमक
- बारीक कटा हरा धनिया
- तलने के लिए तेल

बनाने की विधि

सबसे पहले पालक को उबलते पानी में 2 मिनट के लिए डालें और फिर तुरंत ठंडे पानी में डाल दें। फिर इसका पानी निचोड़कर बारीक काट लें। ध्यान रखें कि पालक का सारा पानी निकाल दें, वरना कबाब टूट सकते हैं। अब उबले हुए मटर को हल्का मैश कर लें और उबले हुए आलू को कद्दूकस कर लें ताकि कबाब में कोई गांठ न रहे। इसके बाद

एक बड़े बाउल में मैश किए हुए आलू, मटर, कटा हुआ पालक, गोभी और बीन्स डालें। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरी मिर्च, धनिया पत्ती और सभी सूखे मसाले डालकर अच्छी तरह मिलाएं। अब इस मिश्रण में भुना हुआ बेसन या ब्रेड क्रम्ब्स डालें। बेसन नमी को सोख लेता है और कबाब को टूटने से बचाता है। इसे अच्छी तरह गूंथ लें जैसे आटा गूंथते हैं। अगर मिश्रण ज्यादा गीला लगे, तो थोड़ा और बेसन मिलाया जा सकता है। अब अपनी हथेलियों पर थोड़ा सा तेल लगाएं और मिश्रण का छोटा हिस्सा लेकर उसे गोल टिक्की का आकार दें। अब एक नॉन-स्टिक पैन में 2-3 चम्मच तेल गरम करें। कबाब को मध्यम आंच पर पैन में रखें। इन्हें दोनों तरफ से सुनहरा भूरा होने तक सेकें। ध्यान रहे कि आंच तेज न हो, वरना कबाब बाहर से जल जाएंगे और अंदर से कच्चे रह जाएंगे। कबाब जब पक जाएं, तो इन्हें पुदीने की तीखी चटनी और लच्छेदार प्याज के साथ सर्व करें।

चेहरे पर जलन, रेडनेस और ब्रेकआउट्स?

ये इशारे बताते हैं कि स्किनकेयर प्रोडक्ट्स बदलने का आ गया है समय...

- खूबसूरत और चमकती त्वचा पाने के लिए हम अक्सर महंगे क्रीम, सीरम और फेस वॉश का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप इस बात पर ध्यान देते हैं कि ये प्रोडक्ट्स आपकी स्किन को सूट भी कर रहे हैं या नहीं?
- दरअसल, कभी–कभी स्किनकेयर रूटीन पर पूरा ध्यान देने के बावजूद स्किन बेहतर होने की जगह डैमेज होने लगती है। असल में, हर स्किनकेयर प्रोडक्ट हर किसी के लिए नहीं होता। इसलिए सावधानी जरूरी है। अगर आपका स्किनकेयर रूटीन आपकी स्किन टाइप के लिए सही नहीं है, तो आपका चेहरा आपको कुछ वॉर्निंग सिग्नल देने लगता है। आइए जानें ये क्या संकेत हैं।

चेहरे पर अचानक और लगातार ब्रेकआउट्स

अगर आपको नए प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करने के बाद छोटे-छोटे दाने या गहरे मुंहासे होने लगे हैं, तो यह संकेत है कि आपके प्रोडक्ट्स में ऐसे तत्व हैं जो आपके पोर्स को बंद कर रहे हैं। कभी-कभी बहुत हैवी क्रीम या ऑयल-बेस्ड क्लींजर ऑयली स्किन वालों के लिए मुसीबत बन जाते हैं।

त्वचा में खिंचाव और ड्राईनेस

चेहरा धोने के तुरंत बाद अगर आपको अपनी त्वचा बहुत ज्यादा खिंची-खिंची या सूखी महसूस होती है, तो समझ लीजिए कि आपका फेस वॉश बहुत ज्यादा हार्ष है। कई क्लींजर त्वचा के नेचुरल ऑयल को पूरी तरह खत्म कर देते हैं, जिससे स्किन बैरियर कमजोर हो जाता है। एक अच्छा क्लींजर चेहरा साफ करने के बाद भी त्वचा को कोमल बनाए रखता है।

जलन, खुजली या रेडनेस

प्रोडक्ट लगाने के तुरंत बाद अगर चेहरे पर हल्की झनझनाहट, जलन या रैशेज पड़ते हैं, तो यह एलर्जिक रिएक्शन का संकेत है। अक्सर खुशबू वाले प्रोडक्ट्स या बहुत ज्यादा मात्रा में एक्टिव इंग्रीडिएंट्स का इस्तेमाल करने से त्वचा सेंसिटिव हो जाती है और लाल पड़ने लगती है। बर्निंग का मतलब यह नहीं होता कि प्रोडक्ट काम कर रहा है। इसका मतलब है यह स्किन को सूट नहीं कर रहा।

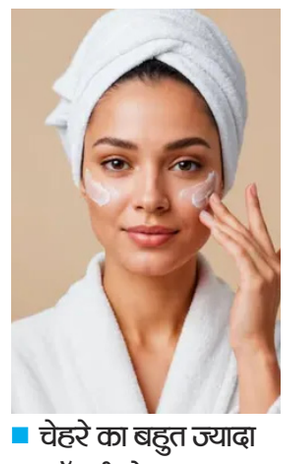

चेहरे का बहुत ज्यादा ऑयली हो जाना

अजीब लग सकता है, लेकिन अगर आपकी त्वचा अचानक से बहुत ज्यादा ऑयल रिलीज करने लगी है, तो इसका कारण आपका रूटीन हो सकता है। जब आप बहुत ज्यादा ड्राइंग प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करते हैं, तो त्वचा को लगता है कि वह सूख रही है। इसकी भरपाई करने के लिए स्किन के नीचे के ऑयल ग्लैंड्स जरूरत से ज्यादा तेल बनाने लगती हैं। यह इस बात का संकेत है कि आपकी त्वचा हाइड्रेशन की कमी से जूझ रही है।

असमान रंगत और डलनेस

एक सही स्किनकेयर रूटीन का काम चेहरे पर ग्लो लाना होता है, लेकिन अगर हफ्तों तक रूटीन फॉलो करने के बाद भी चेहरा थका हुआ, बेजान या पिग्मेंटेड नजर आ रहा है, तो इसका मतलब है कि आप गलत एक्सफोलिएटर का इस्तेमाल कर रहे हैं। बहुत ज्यादा स्क्रबिंग या गलत केमिकल पील्स त्वचा की ऊपरी परत को डैमेज कर देते हैं, जिससे उसका प्राकृतिक निखार चला जाता है।

आज का राशिफल

मेष : आज रुका धन मिलेगा। मन की चंचलता पर नियंत्रण रखें। कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी। जीवनसाथी पर आपसी मेहरबानी रहेगी। जल्दबाजी में धनहानि हो सकती है। व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में सुकून रहेगा। निवेश लाभप्रद रहेगा। कार्य बनेंगे। घर–बाहर सुख–शांति बने रहेंगे।

वृषभ : स्थायी संपत्ति की खरीद–फरोख्त से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रतिद्वंद्विता रहेगी। पार्टनरों का सहयोग समय पर मिलने से प्रसन्नता रहेगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। व्यवसाय ठीक–ठीक चलेगा। आय में वृद्धि होगी। चोट व रोग से बाधा संभव है। दूसरों के काम में दखलंदाजी न करें।

मिथुन : पार्टी व पिकनिक की योजना बनेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। शत्रु सक्रिय रहेंगे। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क : घर–बाहर अशांति रहेगी। कार्य में रुकावट होगी। आय में कमी तथा नौकरी में कार्यभार रहेगा। बेवजह लोगों से कहासुनी हो सकती है। दु:खद समाचार मिलने से नकारात्मकता बढ़ेगी। व्यवसाय से संतुष्टि नहीं रहेगी। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाज न करें।

सिंह : प्रयास सफल रहेंगे। किसी बड़े कार्य की समस्याएं दूर होंगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। कर्ज में कमी होगी। संतुष्टि रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। अपना प्रभाव बढ़ा पाएंगे। नौकरी में अनुकूलता रहेगी। निवेश शुभ रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य न करें।

कन्या : दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। व्यवसाय में जल्दबाजी से काम न करें। चोट व दुर्घटना से बचें। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर–बाहर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। वस्तुएं संभालकर रखें।

तुला : उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ के योग हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं। जुए, सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें। निवेश शुभ रहेगा। प्रमाद न करें।

वृश्चिक : अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था नहीं होने से परेशानी रहेगी। व्यवसाय में कमी होगी। नौकरी में नोकझोंक हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद हो सकते हैं। थकान महसूस होगी। अपेक्षित कार्यों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी।

धनु : अज्ञात भय व चिंता रहेंगे। यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। लेन–देन में सावधानी रखें। बगैर मांगे किसी को सलाह न दें। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी। धनार्जन होगा। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

मकर : नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामजिक कार्य करने की इच्छा जागृत होगी। प्रतिष्ठा वृद्धि होगी। सुख के साधन जुटेंगे। नौकरी में वर्चस्व स्थापित होगा। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। निवेश शुभ रहेगा। घर–बाहर सहयोग व प्रसन्नता में वृद्धि होगी।

कुंभ : रुका धन मिलेगा। पूजा–पाठ व सत्संग में मन लगेगा। आत्मशांति रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। प्रसन्नता का वातावरण रहेगा। मातहतों का सहयोग मिलेगा। किसी सामाजिक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। दूसरे के काम में दखल न दें।

मीन : क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। पुराना रोग बाधा का कारण रहेगा। स्वास्थ्य पर खर्च होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें। छोटी सी गलती से समस्या बढ़ सकती है। व्यवसाय ठीक चलेगा। मित्र व संबंधी सहायता करेंगे। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

इंसुलिन रेजिस्टेंस के संकेतों को न करें इग्नोर

इंसुलिन रेजिस्टेंस एक ऐसी कंडीशन है, जिसमें सेल्स इंसुलिन हार्मोन का ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाते। अगर इस स्थिति को समय पर न पहचाना जाए, तो यह टाइप–2 डायबिटीज, मोटापे और दिल की बीमारियों का कारण बन सकती है। अच्छी बात यह है कि कुछ संकेतों की मदद से इंसुलिन रेजिस्टेंस की पहचान की जा सकती है। आइए जानें कुछ संकेत, जो बताते हैं कि शरीर इंसुलिन रेजिस्टेंस विकसित कर रहा है।

बार-बार प्यास लगना

इंसुलिन रेजिस्टेंस के शुरुआती लक्षणों में सबसे आम है बहुत प्यास लगना। जब सेल्स इंसुलिन का इस्तेमाल नहीं कर पातीं, तो ब्लड में शुगर लेवल बढ़ने लगता है। इस एक्स्ट्रा शुगर को शरीर से बाहर निकालने के लिए शरीर टिश्यू से पानी खींचने लगता है, जिससे व्यक्ति को बार-बार और बहुत तेज प्यास महसूस होती है।

बार-बार यूरिन आना

ज्यादा प्यास और बार-बार पेशाब आना एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जब ब्लड में ग्लूकोज का स्तर 180mg/dL से ऊपर जाने लगता है, तो किडनी इसे छानकर बाहर निकालने के लिए ज्यादा मेहनत करते हैं। इस प्रक्रिया में शरीर का बहुत सारा फ्लूएड यूरिन के रूप में बाहर निकल जाता है। अगर आपको रात में बार-बार टॉयलेट जाने के लिए उठना पड़ रहा है, तो यह इंसुलिन रेजिस्टेंस का संकेत हो सकता है।

ज्यादा भूख लगना

क्या आप भरपेट खाना खाने के बाद भी कुछ ही देर में फिर से भूखा महसूस करते हैं? अगर हां, तो यह भी इंसुलिन रेजिस्टेंस का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में, भले ही आपके खून में काफी शुगर हो, लेकिन वह सेल्स के अंदर नहीं पहुंच पाती। इसके कारण शरीर को एनर्जी नहीं मिलती और दिमाग बार-बार भूख के संकेत भेजता है। इससे व्यक्ति को खासकर मीठा या कार्बोहाइड्रेट से भरपूर खाने की तेज इच्छा होती है।

बहुत ज्यादा थकान

शरीर की एनर्जी का मुख्य सोर्स ग्लूकोज है। जब शरीर इंसुलिन रेजिस्टेंस विकसित करता है, तो ग्लूकोज सेल्स के अंदर नहीं जा पाता। इस कारण शरीर को जरूरत भर भी एनर्जी नहीं मिलती। यही कारण है कि पूरी नींद लेने के बावजूद व्यक्ति दिन भर सुस्ती, कमजोरी और थकान महसूस करता है।

धुंधला दिखना

ब्लड में शुगर लेवल बढ़ना आपकी आंखों के लेंस के आकार को प्रभावित कर सकता है। जब ब्लड शुगर बहुत ज्यादा बढ़ जाता है, तो इसके कारण लेंस का आकार बदल सकता है और धुंधला दिखने की समस्या होती है। हालांकि यह स्थायी नहीं होता, लेकिन यह इस बात का गंभीर संकेत है कि आपका मेटाबॉलिज्म सही ढंग से काम नहीं कर रहा है।

गर्मियों में ज्यादा क्यों होती हैं पेट की समस्याएं?

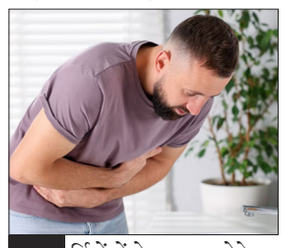

गर्मियों में पेट खराब होने का सबसे बड़ा कारण बैक्टीरिया और वायरस का तेजी से पनपना है. ज्यादा तापमान और ह्यूमिडिटी साल्मोनेला और ई कोलाई जैसे हानिकारक बैक्टीरिया की ग्रोथ के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करते हैं. इस मौसम में बाहर रखा हुआ खाना बहुत जल्दी खराब हो जाता है. अगर ऐसा दूषित खाना या दूषित पानी पी लिया जाए, तो यह सीधे तौर पर गैस्ट्रोएन्टराइटिस या फूड पॉइजनिंग का कारण बनता है. यही वजह है कि गर्मियों में ताजा खाना खाने की सलाह दी जाती है.

डॉक्टर ने बताया कि गर्मी के कारण शरीर से पसीना निकलता है और इससे पानी के साथ इलेक्ट्रोलाइट्स भी बाहर निकल जाते हैं. जब शरीर में पानी की कमी होती है, तो इसका सबसे बुरा असर आंतों की कार्यप्रणाली पर पड़ता है. पानी की कमी से मल सख्त हो जाता है, जिससे कब्ज की समस्या बढ़ जाती है. इसके अलावा शरीर अपने तापमान को कंट्रोल करने के लिए ब्लड फ्लो को स्किन की ओर मोड़ देता है, जिससे पाचन तंत्र को मिलने वाली खून की सप्लाई कम हो जाती है. यही वजह है कि गर्मियों में भारी खाना खाने के बाद पेट फूलना और भारीपन महसूस होना एक कॉमन समस्या है.

डॉक्टर अरोड़ा के अनुसार पेट की इन समस्याओं से बचने के लिए शरीर को हाइड्रेट रखें. दिन भर में कम से कम 3 से 4 लीटर पानी पिएं और इसमें ओआरएस या नींबू पानी शामिल करें. बाहर के खुले कटे हुए फल और स्ट्रीट फूड से परहेज करें, क्योंकि उन पर मक्खियों के जरिए संक्रमण फैलने का खतरा सबसे ज्यादा होता है. खाना हमेशा हल्का और सुपाच्य रखें और एक बार में बहुत ज्यादा खाने के बजाय छोटे अंतराल पर थोड़ा-थोड़ा खाएं. अगर पेट में मरोड़, बार-बार उल्टी या बुखार जैसे लक्षण दिखें, तो इसे सामान्य गर्मी न समझें और तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें, क्योंकि यह गंभीर इन्फेक्शन का संकेत हो सकता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

55 की उम्र में सातवीं शादी की तैयारी, रोकने की गुहार लेकर थाने पहुंचा नाबालिग बेटा

आजमगढ़. उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसे सुनकर पुलिस वाले भी दंग रह गए। यहां एक नाबालिग बेटा अपने 55 साल के पिता की 'शादी की लत' से परेशान होकर पुलिस की शरण में पहुंचा है। बेटे का आरोप है कि उसके पिता अब सातवीं बार दूल्हा बनने की तैयारी कर रहे हैं और इसके लिए उन्होंने घर की जमीन तक गिरवी रख दी है। थाने पहुंचे बेटे की मां ने सातवीं शादी करने जा रहे व्यक्ति से तीसरी शादी की थी। मामला अहरौला थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां रहने वाला शनि 12वीं का छात्र है, सोमवार को बिलखते हुए थाने पहुंचा। उसने पुलिस अधिकारियों को बताया कि उसके पिता अमरजीत मौर्य अब तक छह शादियां कर चुके हैं। अब वे सातवीं बार शादी करने की फिराक में हैं। बेटे ने गुहार लगाई कि उसके पिता को रोका जाए, वरना उनका पूरा परिवार सड़क पर आ जाएगा।

पहले के साथ मिलकर प्रेमिका ने की दूसरे प्रेमी की हत्या, खूनी लव ट्रायंगल का खुलासा

सहारनपुर. उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले के नानौता थाना क्षेत्र में पिछले साल नवंबर में हुई युवक की हत्या का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जांच में सामने आया कि युवक की प्रेमिका ने अपने पहले प्रेमी के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी थी। मृतक युवक महिला का दूसरा प्रेमी था और वह दोनों के संबंधों में बाधा बन रहा था। पुलिस ने इस मामले में दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। एसपी ग्रामीण सागर जैन ने बताया कि मोहल्ला मकदूम जहां सराय बड़ा बगड़, गंगोह निवासी सचिन सैनी ने तहरीर देकर बताया था कि उसके भाई आशु की 12 नवंबर 2025 को नानौता स्थित रुहाड़ा नाले में डुबोकर हत्या कर दी गई। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने फरार चल रहे आरोपियों रूबी पत्नी संदीप निवासी मकदूम जहां सराय बड़ा बगड़, गंगोह और सोनू निवासी ग्राम रंगेल को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने हत्या की साजिश और वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की।

लखनऊ में डबल मर्डर: मां-बेटे की हत्या, महिला का अर्धनग्न शव मिला, रेप की भी आशंका

लखनऊ. राजधानी लखनऊ में एक बार फिर बदमाशों ने पुलिस को चुनौती दी है। सिसेंडी कस्बा चौकी से कुछ दूरी पर सोमवार रात महिला (48) और उसके 18 साल के नेत्रहीन बेटे की बदमाशों ने गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपियों ने महिला के अर्धनग्न शव को रजाई में लपेट दिया, जबकि बेटे को कमरे में रखे पानी भरे हौद में डुबो दिया। वारदात के बाद बदमाश घर के मुख्य गेट पर बाहर से कुंडा लगाकर भाग निकले।

आशंका है कि महिला की रेप के बाद हत्या की गई है। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से फिंगर प्रिंट लेकर साक्ष्य जुटाए हैं। हत्याकांड के खुलासे के लिए पांच टीमें पुलिस ने गठित की हैं। कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर देर रात तक पूछताछ जारी थी। अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रल्लापल्ली बसंथ कुमार के मुताबिक महिला के बहनोई निवासी औरंगाबाद खालसा ने पूछताछ में बताया कि उनके साढ़ू की कोरोनाकाल में मौत हो गई थी। इसके बाद मां-बेटे अकेले रहते थे। महिला घर खर्च के लिए पान-मसाले की दुकान चलाती थी। रोजाना की तरह शाम करीब 7:30 बजे फोन किया तो भांजे ने उठाया। उसने बताया कि मां दुकान पर गई हैं। करीब 15-20 मिनट बाद दोबारा किया तो मोबाइल बंद मिला। पड़ोस के रिश्तेदार को भेजा तो महिला का अर्धनग्न शव रजाई और भांजे का शव पानी भरे हौद में डूबा था।

कई राज्यों में कॉमर्शियल गैस सिलेंडर सप्लाई बंद

- गैस नहीं मिलने से होटल-रेस्टोरेंट बंद होने की नौबत
- जमाखोरी रोकने के लिए आवश्यक वस्तु अधिनियम लागू

नई दिल्ली. अमेरिका-इजराइल की ईरान से जंग की वजह से हॉर्मुज जलमार्ग के रास्ते गैस सप्लाई ठप हो गई है। इसके चलते देश में घरेलू गैस की किल्लत हो रही है।

दिल्ली मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों ने कॉमर्शियल गैस की सप्लाई पर रोक लगा दी है। गैस सप्लाई बंद होने की वजह से कई शहरों में रेस्टोरेंट्स और होटल बंद होने की नौबत आ गई है।

इधर, केंद्र सरकार ने गैस समेत जरूरी चीजों की जमाखोरी रोक ने लिए देशभर में 'आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955' लागू कर दिया है। छोटे होटल और भोजनालय चलाने वाले कारोबारियों ने सरकार से सप्लाई बहाल करने की मांग की है।

कमोडिटी एक्ट लागू होने के बाद 4 कैटेगरी में गैस बंटेगी

- **पहली कैटेगरी (पूरी सप्लाई):** इसमें घर की रसोई गैस (PNG) और गाड़ियों में डलने वाली CNG आती है। इन्हें पहले की तरह पूरी गैस मिलती रहेगी।
- **दूसरी कैटेगरी (खाद कारखाने):** खाद बनाने वाली फैक्ट्रियों को करीब 70% गैस दी जाएगी। बस उन्हें यह साबित करना होगा कि गैस का इस्तेमाल खाद बनाने में ही हुआ है।
- **तीसरी कैटेगरी (बड़े उद्योग):** नेशनल ग्रिड से जुड़ी चाय की फैक्ट्रियों और दूसरे बड़े उद्योगों को उनकी जरूरत की लगभग 80% गैस मिलेगी।
- **चौथी कैटेगरी (छोटे बिजनेस और होटल):** शहरों के गैस नेटवर्क से जुड़े छोटे कारखानों, होटल और रेस्टोरेंट को भी उनकी पुरानी खपत के हिसाब से लगभग 80% गैस दी जाएगी।

क्या है आवश्यक वस्तु अधिनियम?

एसेंशियल कमोडिटी एक्ट 1955 एक ऐसा कानून है, जो सरकार को यह ताकत देता है कि वह किसी भी जरूरी चीज जैसे- अनाज, दालें, खाने का तेल, दवाइयां या ईंधन की सप्लाई और कीमतों को कंट्रोल कर सके। इसे आसान भाषा में 'जमाखोरी रोकने वाला कानून' कह सकते हैं।

जब कभी किसी चीज की कमी होने लगती है या उसकी कीमतें बहुत ज्यादा बढ़ने लगती हैं, तो सरकार इस कानून को लागू कर देती है। इसके तहत व्यापारियों के लिए स्टॉक की एक लिमिट तय कर दी जाती है कि वे एक सीमा से ज्यादा सामान गोदामों में नहीं भर सकते।

राज्यसभा चुनाव से पहले 26 नेता निर्विरोध निर्वाचित

नई दिल्ली. 10 राज्यों की 37 सीटों के लिए हो रहे राज्यसभा चुनाव में 7 राज्यों के 26 उम्मीदवार बिना मुकाबले (निर्विरोध) के ही निर्वाचित हो गए हैं। इनमें एनसीपी (शरद) प्रमुख शरद पवार, कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं।

कई राज्यों में विपक्षी दलों ने उम्मीदवार नहीं उतारे, जिसके कारण ये नेता बिना मतदान के ही राज्यसभा पहुंच गए। हालांकि बिहार, ओडिशा और हरियाणा की 11 सीटों पर मुकाबला होना तय है। इन राज्यों में अतिरिक्त उम्मीदवार मैदान में होने के कारण चुनाव कराया जाएगा।

निर्विरोध चुने गए उम्मीदवार

महाराष्ट्र (7)
- शरद पवार (NCP-शरद)
- रामदास आठवले (आरपीआई-आठवले)
- विनोद तावड़े (बीजेपी)
- रामराव वडुकुटे (बीजेपी)
- माया इवनाते (बीजेपी)
- ज्योति वाघमारे (शिवसेना)
- पार्थ पवार (एनसीपी)

तमिलनाडु (6)
- तिरुची शिवा (DMK)
- जे कॉन्स्टेंटाइन रविंद्रन (DMK)
- एम क्रिस्टोफर तिलक (कांग्रेस)
- एल के सुदीश (DMDK)
- एम थंबीदुरई (AIADMK)
- अंबुमणि रामदास (PMK)

पश्चिम बंगाल (5)
- राहुल सिन्हा (BJP)
- बाबुल सुप्रियो (TMC)
- राजीव कुमार (TMC)
- मेनका गुरुस्वामी (TMC)
- कोएल मलिक (TMC)

असम (3)
- जोगेन मोहन (BJP)
- तेरोस गोवाला (BJP)
- प्रमोद बोरो (UPPL)

तेलंगाना (2)
- अभिषेक मनु सिंघवी (कांग्रेस)
- वेम नरेंद्र रेड्डी (कांग्रेस)

छत्तीसगढ़ (2)
- लक्ष्मी वर्मा (BJP)
- फूलो देवी नेताम (कांग्रेस)

हिमाचल प्रदेश (1)
अनुराग शर्मा (कांग्रेस)

NCERT ने ज्यूडीशियरी करप्शन चैप्टर पर बिना शर्त माफी मांगी

- कहा- अब किताब उपलब्ध नहीं
- SC बोला था- न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं

"Justice delayed is justice denied"

On account of multiple reasons, such as a lack of an adequate number of judges, complicated legal procedures, and poor infrastructure, the judicial system in our country has a massive backlog. Look at the data from the National Judicial Data Grid given below (as of March 2025):

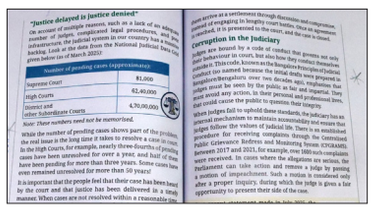

Number of pending cases (approximate):	
Supreme Court	81,000
High Courts	62,40,000
District and other Subordinate Courts	4,70,00,000

Note: These numbers need not be memorised.

While the number of pending cases shows part of the problem, the real issue is the long time it takes to resolve a case in court. In the High Courts, for example, nearly three-fourths of pending cases have been unresolved for over a year, and half of them have been pending for more than three years. Some cases have even remained unresolved for more than 50 years!

It is important that the people feel that their case has been heard by the court and that justice has been delivered in a timely manner. When cases are not resolved within a reasonable time

them arrive at a settlement through discussion and compromise, instead of engaging in lengthy court battles. Once an agreement is reached, it is presented to the court, and the case is closed.

Corruption in the Judiciary

Judges are bound by a code of conduct that governs not only their behaviour in court, but also how they conduct themselves outside it. This code, known as the Bangalore Principles of Judicial Conduct (so named because the initial drafts were prepared in Bangalore/Bengaluru over two decades ago), emphasises that judges must be seen by the public as fair and impartial. They must avoid any action, in their personal and professional lives, that could cause the public to question their integrity.

When judges fail to uphold these standards, the judiciary has an internal mechanism to maintain accountability and ensure that judges follow the values of judicial life. There is an established procedure for receiving complaints through the Centralised Public Grievance Redress and Monitoring System (CPGRAMS). Between 2017 and 2021, for example, over 1600 such complaints were received. In cases where the allegations are serious, the Parliament can take action and remove a judge by passing a motion of impeachment. Such a motion is considered only after a proper inquiry, during which the judge is given a fair opportunity to present their side of the case.

नई दिल्ली. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (NCERT) ने किताब के 'ज्यूडीशियरी करप्शन' चैप्टर को लेकर बिना शर्त माफी मांगी है।

इस चैप्टर को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद किताब की बिक्री पर रोक लगा दी गई थी। मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा था। CJI सूर्यकांत ने कहा था कि न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दे सकते। NCERT ने प्रेस रिलीज में कहा- NCERT की सोशल साइंस की आठवीं (पार्ट-2) की टेक्स्ट बुक 'एक्सप्लोरिंग सोसाइटीः इंडिया एंड बियॉन्ड' का चैप्टर 4 'द रोल ऑफ ज्यूडीशियरी इन अवर सोसाइटी' था। NCERT के डायरेक्टर और सदस्य इसके लिए बिना किसी शर्त के माफी मांगते हैं। पूरी किताब को ही वापस बुला लिया गया है। अब यह उपलब्ध नहीं है।

कोविड वैक्सीन से नुकसान का मुआवजा दे

- सुप्रीम कोर्ट बोला- सरकार एरर-फ्री पॉलिसी बनाए
- साइड इफेक्ट्स की जांच के लिए एक्सपर्ट पैनल की जरूरत नहीं

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को कोविड वैक्सीनेशन से जुड़ी याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स का मुआवजा दे। इसके लिए वह नो-फॉल्ट कंपनसेशन पॉलिसी बनाए।

नो-फॉल्ट कम्पनसेशन पॉलिसी का मतलब है कि अगर किसी व्यक्ति को दवा या वैक्सीन से नुकसान हो जाए, तो उसे मुआवजा मिल सकता है, भले ही इसमें किसी की गलती साबित न हुई हो।

जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने यह भी कहा कि वैक्सीनेशन के साइड इफेक्ट्स की मॉनिटरिंग के लिए मौजूदा सिस्टम जारी रहेगा। इसके लिए अलग से एक्सपर्ट पैनल बनाने की जरूरत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने रचना गंगू और वेणुगोपालन गोविंदन की 2021 में दायर याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें आरोप लगाया गया था कि उनकी बेटियों की मौत कोविड वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स के कारण हुई थी।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की 3 बड़ी बातें...

- वैक्सीन के साइड इफेक्ट्स से जुड़े आंकड़े समय-समय पर पब्लिक डोमेन में रखा जाएगा।
- इस फैसले का मतलब यह नहीं होगा कि व्यक्ति दूसरे कानूनी उपायों का सहारा नहीं ले सकता।
- मुआवजा नीति का यह मतलब नहीं होगा कि सरकार या किसी दूसरी अथॉरिटी ने अपनी गलती मान ली है।

डुबोने में जो मजा है, पकड़ने में कहां...

- ईरानी युद्धपोतों पर हमले के बाद बोले डोनाल्ड ट्रंप
- 87 लोग मरे थे

वाशिंगटन. अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच बीते 10 दिनों से जारी युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान सुर्खियों में हैं। मंगलवार को युद्ध के 'लगभग खत्म' होने की बात करने वाले ट्रंप ने हाल ही में एक ऐसा बयान दिया है जिसकी खूब निंदा हो रही है। जंग के बीच बीते सप्ताह अमेरिकी पनडुब्बी द्वारा हमला कर ईरानी युद्धपोत 'IRIS DENA' को डुबोए जाने को लेकर ट्रंप ने अजीबोगरीब बयान दिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि अमेरिकी सेना ने उनसे कहा था कि जहाजों को पकड़ने से ज्यादा मजेदार है, उन्हें तबाह कर देना या डुबोना। ट्रंप ने अमेरिकी सेना के साथ बातचीत के बारे में बताते हुए कहा, 'उन्होंने कहा, उसे डुबोना ज्यादा मजेदार है। उन्हें उसे डुबोना ज्यादा पसंद है। वे कहते हैं कि उसे डुबोना ज्यादा सुरक्षित है। मुझे लगता है कि यह शायद सच है।'

मारे गए थे 87 ईरानी सैन्यकर्मी

गौरतलब है कि ईरानी युद्धपोत 'IRIS DENA' भारत की मेजबानी में आयोजित 'मिलन' बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास में हिस्सा लेने के बाद स्वदेश लौट रहा था। इस हमले में कम से कम 87 ईरानी सैन्यकर्मी मारे गए। ईरान ने इस हमले की कड़ी निंदा की थी और जवाब देने की कसम खाई थी। ईरान के उप विदेश मंत्री सईद खतीबजादेह ने एक बयान में कहा था कि अमेरिका ने अंतरराष्ट्रीय कानून का 'मनमानी' तरीके से उल्लंघन किया है। खतीबजादेह ने चेतावनी दी कि 'बिना शस्त्र वाले जहाज' पर हमले की सजा जरूर दी जाएगी।

46 जहाजों को मार गिराने का दावा

वहीं ट्रंप ईरान के खिलाफ अमेरिकी और इजरायली हमलों के बारे में बात करते हुए, ट्रंप ने कहा कि यह ऑपरेशन एपिक फ्यूरी तेहरान के सैन्य इंफ्रास्ट्रक्चर को एक जोरदार झटका दे रहा है। ट्रंप ने कहा, 'अब हर कोई इसे समझता है। अपने इजरायली पार्टनर्स के साथ मिलकर, हम तकनीकी कौशल और सैन्य ताकत का जबरदस्त प्रदर्शन करके दुश्मन को कुचल रहे हैं।'

अवैध संबंध बनाने से इंकार करने पर भाभी पर तेजाब फेंका

मेरठ. उत्तर प्रदेश के मेरठ के खरखौदा के एक गांव में अवैध संबंध बनाने का विरोध करने पर हत्यारोपी ने अपनी भाभी पर मंगलवार दोपहर को तेजाब फेंक दिया। जिसमें महिला तो बाल बाल बच गई, लेकिन उसकी देवरानी और उनकी दो बेटियां झुलस गईं। घटना के बाद आरोपी फरार हो गया।

पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को एनसीआर मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। बताया जा रहा है आरोपी हत्या के मामले में सजायाफ्ता है और कुछ दिन पहले ही जमानत पर बाहर आया है।

'महिलाएं 1000 रुपये लेकर कौन से सूरमा पैदा कर देंगी'

- कांग्रेस विधायक के बोल पर बवाल

चंडीगढ़. पंजाब सरकार ने बजट पेश करने के दौरान महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने का ऐलान किया। इस पर कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैरा ने ऐसी टिप्पणी कर दी, जिस पर बवाल ही मच गया। वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कांग्रेस के विधायक सुखपाल सिंह खैरा का सोशल मीडिया पर लिखा बयान पढ़कर सुनाया। इसमें उन्होंने कहा था कि 1000 रुपये लेकर औरतें कौन से सूरमाओं को पैदा कर देंगी। दरअसल खैरा ने आम आदमी पार्टी सरकार की ओर से महिलाओं को हर माह 1000 रुपए और अनुसूचित जाति की महिलाओं को 1500 रुपए देने की घोषणा पर यह टिप्पणी की थी।

आम आदमी पार्टी की विधायक इंद्रजीत मान और सरबजीत कौर अपनी सीटों पर खड़े होकर सुखपाल सिंह खैहरा के बयान का विरोध करने लगी और सदन में हंगामा मच गया। विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने कहा कि उन्होंने सुखपाल सिंह खैरा का यह बयान नहीं देखा है लेकिन अगर उन्होंने ऐसा कहा है तो वह इसके लिए क्षमा मांगते हैं और इस बात को आगे नहीं बढ़ाया जाना चाहिए। लेकिन आम आदमी पार्टी की महिला विधायक खैरा के बयान का विरोध करने लगी और उन्होंने कहा कि बेशक प्रताप सिंह बाजवा ने इसकी माफी मांग ली हो लेकिन उनका यह बयान माफी योग्य नहीं है।

कुलदीप यादव वंशिका संग मसूरी में लेंगे 7 फेरे

- 14 मार्च को शादी
- 17 को लखनऊ में रिसेप्शन
- CM योगी को दिया न्योता

भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव अपनी बचपन की दोस्त वंशिका सिंह के साथ शादी करने जा रहे हैं। दोनों 14 मार्च को उत्तराखंड के मसूरी में सात फेरे लेंगे। तीन दिन बाद यानी 17 मार्च को लखनऊ के होटल सेंट्रम में ग्रैंड रिसेप्शन पार्टी होगी। इस बीच, सोमवार को कुलदीप के पिता राम सिंह यादव ने लखनऊ में CM योगी को शादी का न्योता दिया। कुलदीप और वंशिका ने 4 जून 2025 को लखनऊ में सगाई की थी, जिसमें क्रिकेटर रिंकू सिंह, प्रिया सरोज समेत कई करीबी लोग शामिल हुए थे। पहले दोनों शादी नवंबर 2025 में तय हुई थी, लेकिन टी-20 विश्व कप की तैयारियों की वजह से तारीख आगे बढ़ा दी गई। अब विश्व कप चैंपियन बनने के बाद कुलदीप नई पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं।

कुलदीप के कोच और पारिवारिक मित्र कपिल देव पांडेय ने बताया- शादी की रस्में 13 मार्च से शुरू होंगी। इस दिन हल्दी और मेहंदी का कार्यक्रम होगा। शादी के बाद लखनऊ के होटल सेंट्रम में रिसेप्शन दिया जाएगा। इसमें जाने-माने क्रिकेटर्स, बॉलीवुड की नामचीन हस्तियां और यूपी के दिग्गज राजनेता शामिल होंगे।

टी-20 वर्ल्ड चैंपियन टीम का हिस्सा थे कुलदीप

कुलदीप टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थे। टूर्नामेंट में कुलदीप ने सिर्फ एक मुकाबला खेला, जो पाकिस्तान के खिलाफ था। मैच में कुलदीप ने 14 रन देकर एक विकेट लिया था।

BCCI टीम इंडिया को 131 करोड़ देगा

- पैसा खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ मे बंटेगा
- भारत तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप चैंपियन

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने पर टीम इंडिया के लिए 131 करोड़ रुपए के इनाम का ऐलान किया है। यह पैसा खिलाड़ियो और सपोर्ट स्टाफ में बंटेगा।

भारत ने रविवार को टी-20 वर्ल्ड चैंपियन का खिताब अपने नाम किया था। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया और ट्रॉफी जीती थी। इसके साथ ही टीम इंडिया ने अपना खिताब बरकरार रखा और टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में लगातार दो बार ट्रॉफी जीतने वाली पहली टीम बन गई।

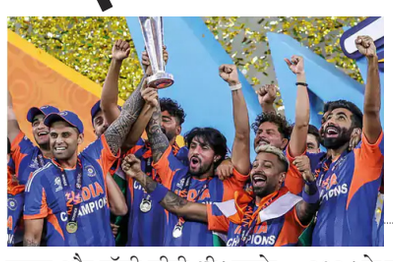

BCCI ने खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और सिलेक्टर्स को इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी है। बोर्ड ने उम्मीद जताई कि टीम भविष्य में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन कर देश का नाम रोशन करती रहेगी।

भारत 3 टी-20 वर्ल्ड कप जीतने वाली पहला देश

भारतीय टीम 2024 के बाद 2026 में भी चैंपियन बनी और टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब डिफेंड करने वाली पहली टीम बन गई। इसके साथ ही इंडिया तीन टी-20 वर्ल्ड कप (2007, 2024 और 2026) जीतने वाली दुनिया की पहली टीम भी बन गया। अहमदाबाद में खेले गए फाइनल में जीत के साथ भारत ने पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टी-20 वर्ल्ड कप ट्रॉफी भी जीती।

भारतीय टीम को 27.5 करोड़ प्राइज मनी मिली

रिपोर्ट के मुताबिक, टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद भारतीय टीम को 3 मिलियन डॉलर (करीब 27.5 करोड़ रुपए) की इनामी राशि मिली। वहीं, रनर-अप न्यूजीलैंड को 1.6 मिलियन डॉलर (करीब 14.7 करोड़ रुपए) दिए गए। हालांकि, इस बार ICC ने प्राइज मनी की आधिकारिक घोषणा नहीं की थी, जबकि आमतौर पर हर टूर्नामेंट में इसकी जानकारी पहले ही दे दी जाती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त बोले- पात्र वोटर का नाम नहीं कटेगा

- स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराना आयोग की प्राथमिकता
- लोगों ने फिर काले झंडे दिखाए

नई दिल्ली. मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने मंगलवार को कहा कि किसी भी पात्र वोटर का नाम वोटर लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव सुनिश्चित करना चुनाव आयोग की प्राथमिकता है।

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) का मकसद है कि सभी सही वोटर को वोट देने का अधिकार मिले और कोई अयोग्य व्यक्ति वोटर लिस्ट में शामिल न हो।

आयोग का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि पश्चिम बंगाल के सभी मतदाता आगामी विधानसभा चुनाव में हिंसा और डर के माहौल से मुक्त होकर मतदान कर सकें।

कोलकाता में चुनाव तैयारियों की समीक्षा के लिए दो दिन तक हुई बैठकों के बाद आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि आयोग ने राज्य की कानून-व्यवस्था से जुड़ी एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बिना किसी पक्षपात और दबाव के कानून का सख्ती से पालन कराएं।

कुमार बोले- 'चुनाओ पर्वो, पश्चिमबंगेर गर्वो'

ज्ञानेश कुमार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरी हैं। यहां मतदान प्रतिशत हमेशा काफी अधिक रहता है। राज्य के मतदाता संविधान का सम्मान करते हैं और शांतिपूर्ण चुनाव में विश्वास रखते हैं। इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग का एक नारा भी बताया- 'चुनाओ पर्वो, पश्चिमबंगेर गर्वो' (यानी चुनाव का पर्व पश्चिम बंगाल का गर्व है)। इसके पहले ज्ञानेश कुमार को सुबह फिर लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा। ज्ञानेश कुमार दक्षिणेश्वर काली मंदिर गए थे, जहां लोगों की भीड़ ने गो बैक नारे लगाए और काले झंडे दिखाए।

यूपी के हर गांव तक चलेगी बस

- पंचायत चुनाव से पहले योगी कैबिनेट का बड़ा फैसला

लखनऊ. उत्तर प्रदेश की योगी कैबिनेट ने ग्रामीण कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए बहुप्रतीक्षित 'मुख्यमंत्री ग्राम परिवहन योजना-2026' पर अपनी मुहर लगा दी है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य उन गांवों को मुख्यधारा और जिला मुख्यालयों से जोड़ना है, जो आजादी के दशकों बाद भी सार्वजनिक परिवहन सेवा से वंचित हैं। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने इसे ग्रामीण जनता के लिए एक बड़ी सौगात बताते हुए कहा कि अब गांवों का विकास शहरों की तर्ज पर रफ्तार पकड़ेगा। पंचायत चुनाव से पहले गांवों के लिए इस योजना को बड़ा तोहफा माना जा रहा है।

सभी 12,200 गांवों तक दौड़ेगी बस

कैबिनेट बैठक के बाद योजना की जानकारी देते हुए दयाशंकर सिंह ने बताया कि योजना के पहले चरण में उत्तर प्रदेश के 12,200 दूर-दराज के गांवों को सीधी बस सेवा से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार इन रूटों पर विशेष रूप से 28 सीटर छोटी और मझोली बसें चलाएगी। छोटी बसों का चयन इसलिए किया गया है ताकि वे गांवों की संकरी सड़कों और रास्तों पर आसानी से मुड़ सकें और आवाजाही कर सकें। इस योजना से सबसे अधिक लाभ उन छात्रों को होगा जिन्हें पढ़ाई के लिए शहर जाना पड़ता है, साथ ही किसान अपनी उपज और मरीज समय पर अस्पताल पहुंच सकेंगे। योजना के तहत बसों का संचालन बहुत ही व्यवस्थित तरीके से किया जाएगा।

केदारनाथ-बदरीनाथ मंदिर में गैर सनातनियों की एंट्री पर रोक

देहरादून. उत्तराखंड में बदरीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) की बजट बैठक में एक महत्वपूर्ण फैसला लिया गया है। बैठक में बदरीनाथ और केदारनाथ में गैर-सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। बैठक में आगामी यात्रा सत्र 2026-27 के लिए 121 करोड़ 7 लाख रुपये का बजट पारित किया गया है जिसमें बदरीनाथ के लिए 57 करोड़ और केदारनाथ के लिए 63 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। चारधाम यात्रा अप्रैल में शुरू होगी जिसके लिए सरकार व्यापक तैयारियां कर रही है।

संक्षेप...

24 वर्षीय लेडी डेंटिस्ट ने की आत्महत्या

मुंबई. अंटाप हिल इलाके में 24 वर्षीय पोस्टग्रेजुएट छात्रा स्तुति सोनवाने ने आत्महत्या कर ली। वह एमडीएस (मास्टर ऑफ डेंटल सर्जरी) की पढ़ाई कर रही थी और अपने माता-पिता व बहन के साथ रहती थी। पुलिस के अनुसार, कल सुबह जब वह अपने कमरे से बाहर नहीं आई तो परिवार ने उसे पुकारा लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। दरवाजा तोड़कर देखा तो स्तुति फंदे पर लटकी हुई मिली। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज किया है और जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में बॉयफ्रेंड की ओर से मानसिक उत्पीड़न की वजह सामने आई है। स्तुति ने अपने कमरे में 6 पेज की सुसाइड नोट छोड़ी थी, जिसमें उसने अपने रिलेशनशिप की पूरी व्यथा लिखी है।

ओला, उबर और रैपिडो की बाइक टैक्सी पर कार्रवाई, लाइसेंस रद्द

मुंबई. महाराष्ट्र सरकार ने राज्य में चल रही बाइक टैक्सी सेवाओं पर बड़ा कदम उठाते हुए ओला, उबर और रैपिडो के अस्थायी लाइसेंस रद्द कर दिए हैं. सरकार का कहना है कि इन कंपनियों ने तय समय सीमा के भीतर जरूरी दस्तावेज और शर्तें पूरी नहीं कीं. इस कारण प्रशासन ने सख्त कार्रवाई करते हुए इनके परमिट खत्म करने का फैसला लिया है. सरकार का उद्देश्य राज्य में बाइक टैक्सी सेवाओं को नियमों के अनुसार संचालित करना और अवैध संचालन को रोकना है.

आरटीओ को दिए गए सख्त निर्देश

परिवहन मंत्री के मुताबिक हाल ही में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय (आरटीओ) अधिकारियों के साथ बैठक हुई थी. इस बैठक में यह पाया गया कि कुछ कंपनियों ने अब तक जरूरी दस्तावेज जमा नहीं किए हैं. इसके बाद अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि ऐसे मामलों में तुरंत अस्थायी लाइसेंस रद्द कर दिए जाएं. सरकार का कहना है कि इस कदम का मकसद सड़कों पर अवैध रूप से चल रही बाइक टैक्सी सेवाओं को रोकना और व्यवस्था को बेहतर बनाना है.

नियमों का पालन न करने पर कार्रवाई

राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने विधान परिषद में बताया कि इन कंपनियों को कुछ शर्तों के साथ अस्थायी अनुमति दी गई थी. लेकिन निर्धारित समय के भीतर जरूरी कागजात जमा नहीं किए गए. इसके चलते सरकार को उनके लाइसेंस रद्द करने का फैसला लेना पड़ा. उन्होंने कहा कि नियमों का पालन करना सभी कंपनियों के लिए अनिवार्य है और इसमें किसी तरह की ढील नहीं दी जाएगी.

ई-बाइक नीति के तहत तय थे नियम

सरकार ने 'महाराष्ट्र ई-बाइक टैक्सी नियमावली 2024' के तहत बाइक टैक्सी सेवाओं को मंजूरी दी थी. इस नीति के अनुसार बाइक टैक्सी के रूप में केवल इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल होना चाहिए. इसके अलावा कंपनियों को 30 दिनों के भीतर सभी औपचारिकताएं पूरी करनी थीं. सरकार का कहना है कि इस नीति का उद्देश्य पर्यावरण को सुरक्षित रखना और स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर देना था.

मुंबई-नाशिक हाईवे पर दुर्घटना

अज्ञात वाहन ने मारी ऑटोरिक्शा को टक्कर, 2 लोगों की मौत

भिवंडी. मुंबई-नाशिक हाई-वे पर भिवंडी तहसील के सोनाले गांव में हुए एक सड़क हादसे में दो ऑटोरिक्शा चालकों की मौत हो गई है। यह हादसा तब हुआ जब एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने टर्न मार रहे ऑटोरिक्शा को टक्कर मार दी। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है।

पुलिस के मुताबिक, भिवंडी के कनेरी में स्थित नवकार अपार्टमेंट में रहने वाले ऑटोरिक्शा चालक मनोज महेंद्र केसरवानी और पाइपलाइन निवासी राजकुमार गुप्ता ऑटोरिक्शा से बापगांव की तरफ सोमवार सुबह 11.30 बजे जा रहे थे। जैसे ही दोनों बापगांव जाने के लिए मुंबई-नाशिक हाई-वे पर पहुंचे। इसी दौरान तेजगति से आ रहे अज्ञात वाहन ने पीछे से ऑटोरिक्शा को जोरदार टक्कर मार दी। जिसके बाद ऑटोरिक्शा डिवाइडर से टकराकर चकनाचूर हो गया और ऑटोरिक्शा में सवार दोनों ड्राइवर सड़क पर गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को भिवंडी के इंदिरा गांधी उपजिला अस्पताल में लाया, जहां पर जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर तहसील पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा करके अज्ञात वाहन ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश में जुट गई है। दोनों मृतक दोस्त थे।

पालघर में तीन सड़क हादसे, पांच लोग घायल

वहीं, पालघर जिले में अलग-अलग स्थान पर हुए तीन सड़क हादसों में 5 लोग घायल हो गए। सभी मामलों में लापरवाही से वाहन चलाने का आरोप लगाते हुए पुलिस ने अलग-अलग मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पहली दुर्घटना बोईसर एमआईडीसी में हुई। दूसरी घटना बोईसर-चिल्हार रोड पर खैरापाडा गांव में हुई। वहीं, तीसरी घटना वाडा तहसील के आबिटघर-शहापुर रोड पर कांबारे गांव के पास हुई।

ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की महिला कर्मचारियों ने

कल्चरल प्रोग्राम कर मनाया विश्व महिला दिवस

ठाणे. मनपा के कर्मचारियों ने लावणी, फ्यूजन, पारंपरिक त्योहारों और त्यौहारों जैसी थीम पर आधारित डांस कंपोजिशन और एक से बढ़कर एक जानदार गाने पेश करके विश्व महिला दिवस बड़े जोश और खुशी के साथ मनाया। महिलाएं सिर्फ घर ही नहीं संभालतीं बल्कि समाज में पद, प्रतिष्ठा के साथ अपनी जगह मजबूत करके अलग-अलग फील्ड में अपनी पहचान भी बनाती हैं, मुझे उन महिलाओं पर बहुत गर्व है जो ऐसा असाधारण काम करती हैं। मेयर शर्मिला पिंपलोलकर ने ठाणे मनपा की महिला कर्मचारियों को अपनी अंदर की प्रतिभा दिखाने के लिए एक प्लेटफॉर्म देने के लिए

एडमिनिस्ट्रेशन को धन्यवाद दिया और सभी महिलाओं को महिला दिवस की शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर डिप्टी मेयर कृष्णा पाटिल मौजूद थे।मनपा में काम करने वाली महिला कर्मचारियों के लिए आज (9 मार्च) राम गणेश गडकरी रंगायतन में एक कल्चरल प्रोग्राम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मनपा उपायुक्त उमेश बिरारी, अनघा कदम, डॉ. मिताली संचेती, छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल की डीन डॉ. स्वप्नाली कदम, सहायक आयुक्त ललिता जाधव, सोनल काले, कार्मिक अधिकारी दयानंद गुंडप, मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान ने किया।

मुंबई की सड़कों पर फिर उमड़ेगा नीला समंदर!

■ टीम इंडिया की विक्ट्री परेड

मुंबई. टी20 वर्ल्डकप 2026 जीतने के बाद पूरे देश में जश्न का माहौल है. अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया. अब क्रिकेट फैंस की नजर उस पल पर है जब चैंपियन टीम मुंबई की सड़कों पर विक्ट्री परेड करेगी. हालांकि BCCI की ओर से अभी आधिकारिक तारीख का ऐलान नहीं हुआ है, लेकिन तैयारियां शुरू होने की चर्चा है. माना जा रहा है कि टीम इंडिया की विक्ट्री परेड 11 या 12 मार्च के आसपास आयोजित हो सकती है.

■ पहले दिल्ली में पीएम मोदी से मुलाकात

रिपोर्ट्स के मुताबिक भारतीय खिलाड़ी सबसे पहले दिल्ली जाएंगे. वहां वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं. यह मुलाकात प्रधानमंत्री के आवास पर होने की संभावना है. फाइनल में भारत की जीत के तुरंत बाद प्रधानमंत्री मोदी ने भी टीम को बधाई दी थी और इस जीत को देश के लिए गर्व का पल बताया था.

■ भव्य रोड शो

दिल्ली से लौटने के बाद टीम इंडिया मुंबई पहुंचेगी, जहां भव्य ओपन-बस रोड शो का आयोजन होने की उम्मीद है. आमतौर पर यह विक्ट्री परेड मरीन ड्राइव पर आयोजित की जाती है. रोड शो की शुरुआत मुंबई के फेमस नरीमन पॉइंट के पास स्थित एनसीपीए से शुरु होने की संभावना है. इस परेड का समापन ऐतिहासिक वानखेड़े स्टेडियम में किया जाएगा. पिछले आयोजनों को देखते हुए यह परेड आमतौर पर शाम करीब 5 बजे शुरू हो सकती है, ताकि ज्यादा से ज्यादा फैंस इसमें शामिल हो सकें.

■ वानखेड़े में होगा सम्मान समारोह

विक्ट्री परेड के बाद वानखेड़े स्टेडियम में एक खास कार्यक्रम होने की भी संभावना है. इस दौरान बीसीसीआई टीम इंडिया को सम्मानित कर सकती है और खिलाड़ियों को इनामी राशि भी सौंपी जा सकती है. इस कार्यक्रम में फैंस को अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को करीब से देखने का मौका मिलेगा. मुंबई में ऐसी विक्ट्री परेड के दौरान सड़कों पर हजारों-लाखों फैंस जुटते हैं, जिससे पूरा इलाका 'नीले समंदर' में बदल जाता है.

फिलहाल क्रिकेट प्रेमी इस ऐतिहासिक पल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. अगर यह परेड आयोजित होती है, तो मुंबई की सड़कों पर एक बार फिर वही नजारा देखने को मिलेगा जब लाखों फैंस अपने चैंपियन खिलाड़ियों का स्वागत करेंगे.

पूर्व न्यायाधीश ने संविधान की आर्ट पेंटिंग का उद्घाटन किया

ठाणे। विद्या प्रसारक मंडल के लॉ कॉलेज, ठाणे में संविधान की ओरिजिनल कॉपी की एक परमानेंट एग्ज़िबिशन का उद्घाटन सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अभय ओक ने किया।

इस मौके पर संस्था के प्रेसिडेंट डॉ. विजय बेडेकर, सेक्रेटरी अभय मराठे, साथ ही कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. विद्या जयकुमार, वाइस-प्रिंसिपल डॉ. विनोद एच वाघ मौजूद थे।

इस मौके पर न्यायाधीश अभय ओक ने खुशी जताई और कहा कि टीएमसी लॉ कॉलेज शायद भारत का पहला कॉलेज है जो इस तरह की परमानेंट एग्ज़िबिशन ऑर्गनाइज़ कर रहा है। स्टूडेंट्स, वकीलों और नागरिकों को इस पेंटिंग के ज़रिए अपने इतिहास को

समझना चाहिए, और इस पर और रिसर्च की ज़रूरत भी बताई। इस मौके पर उन्होंने कहा कि लॉ के स्टूडेंट्स संविधान को और ज़्यादा गहराई और गंभीरता से समझेंगे। डॉ. विद्या जयकुमार ने इस तरह की एग्ज़िबिशन ऑर्गनाइज़ करने के पीछे कॉलेज का मकसद बताया। इसके बाद न्यायाधीश अभय ओक ने भारत में क्रिमिनल ट्रायल प्रोसेस पर एक लेक्चर दिया। जस्टिस ओक ने कहा कि भारत में क्रिमिनल कानून मानवीय सोच पर आधारित हैं। इसलिए, आतंकवाद जैसे गंभीर अपराधों के आरोपी व्यक्ति को भी निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार दिया जाता है। भारत में क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के विकास की प्रक्रिया को समझाते हुए, उन्होंने जूरी ट्रायल सिस्टम से लेकर आज के न्यायिक प्रक्रिया तक के सफर के बारे में बताया। उनके अनुसार, भारतीय क्रिमिनल कानून एक संतुलित सोच रखता है और क्रिमिनल केस में प्रॉसिक्यूटर और आरोपी दोनों को बराबर और निष्पक्ष मौके देता है।

जस्टिस ओक ने स्टूडेंट्स से बातचीत की और उनके कई सवालों के जवाब दिए और उन्हें क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम के काम करने के तरीके पर ज़रूरी गाइडेंस दी। इस मौके पर बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स मौजूद थे।

ठाणे स्टेशन पर महिला हेड टीसी की पिटाई

■ 18 वर्षीय युवती ने टिकट मांगने पर पीटा

ठाणे. ठाणे रेलवे स्टेशन पर एक महिला यात्री से टिकट मांगा तो उसने महिला हेड टिकट इंस्पेक्टर (हेड TC) की बेरहमी से पिटाई कर दी. इस मामले में पीटने वाली 18 साल की लड़की को ठाणे रेलवे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है और उसके खिलाफ सरकारी काम में रुकावट डालने और मारपीट का केस दर्ज किया गया है.

सोमवार सुबह, ठाणे रेलवे स्टेशन पर मुंबई जाने वाले फुटओवर ब्रिज पर 39 साल की हेड TC यात्रियों के टिकट चेक कर रही थी. उस समय, 18 साल की लड़की मोबाइल पर बात करते हुए फुटब्रिज पर चल रही थी. महिला TC ने उससे टिकट के बारे में पूछा. उस समय, उसने कहा कि वह यहीं रहती है और फुटब्रिज पार करके दूसरी तरफ जा रही है. इसलिए, TC ने उसका पता चेक करने के लिए उसका आधार कार्ड मांगा. लेकिन वह अपना पैन कार्ड दिखाने लगी. इसलिए, TC ने फिर से उसका आधार कार्ड मांगा. उस समय, वह अपने मोबाइल फ़ोन पर कॉन्टैक्ट करने वाले व्यक्ति से बात कर रही थी और TC को गाली दे रही थी और उससे WhatsApp पर अपना आधार कार्ड भेजने के लिए कह रही थी। जब TC ने उसे गाली न देने के लिए कहा, तो उसने अचानक अपने हाथ में लिए मोबाइल फ़ोन से TC को पीटना शुरू कर दिया। उसने TC के चेहरे पर अपने नाखूनों से खरोंच भी मार दी।

इसके बाद उसे ठाणे स्टेशन पर मैनेजर के ऑफ़िस ले जाया गया। जब उससे पूछताछ की गई, तो पता चला कि वह महिला हाउसमेड और ब्यूटीशियन का काम करती थी और वागले एस्टेट इलाके की रहने वाली थी। ठाणे रेलवे पुलिस के आने के बाद, TC ने उसके ख़िलाफ़ शिकायत दर्ज कराई। इस शिकायत के आधार पर, लड़की के ख़िलाफ़ इंडियन रेलवेज़ एक्ट, 1989 की धारा 147 और इंडियन ज्यूडिशियल कोड (BNS), 2023 की धारा 121 (1), 132, 352 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

गुरुवार को ठाणे के कुछ इलाकों में जलापूर्ति नहीं

ठाणे. मनपा की उथलसर प्रभाग की सीमा में सिद्धेश्वर जलकुंभ में नई पानी की पाइपलाइन पर काम चल रहा है, इसलिए कुछ इलाकों में पानी की सप्लाई कुछ समय के लिए रोक दी जाएगी। इस काम के दौरान, पानी की पाइपलाइन की 600 mm डायमीटर वाली आउटलेट पानी की पाइपलाइन में रुकावट आ रही है, इसलिए इसे दूसरी जगह लगाना ज़रूरी है। इस काम के लिए, गुरुवार को सुबह 9 बजे से शुक्रवार को सुबह 9 बजे तक पानी की सप्लाई रोक दी जाएगी।इस दौरान उथलसर प्रभाग समिति क्षेत्र के सिद्धेश्वर तालाब क्षेत्र, रमाबाई आंबेडकर नगर, गणेशवाड़ी, नितिन कंपनी, पाचपखाड़ी, सरोवर दर्शन, चंदनवाड़ी, हंसनगर, सिंहनगर, खोपट, फ्लावर वैली, शेलार पाड़ा, गोकुलदासवाड़ी, कोलबाड़, गोकुलनगर क्षेत्र के साथ-साथ नौपाड़ा प्रभाग समिति के पाचपखाड़ी, चंदनवाड़ी, मनपा क्षेत्र, चराई, धोबिअली आदि क्षेत्रों में जलापूर्ति बंद रहेगी।

अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ.

जा.क्र. अंनप/उद्यान-विभाग/2025-26/315 दि.09/03/2026

-: जाहीर नोटीस:-

महाराष्ट्र (नागरी क्षेत्र) झाडांचे संरक्षण व जतन अधिनियम 1975चे कलम 8 (3) (अ) नुसार

अंबरनाथ नगरपरिषदेच्या हद्दीतील नवीन इमारतीच्या बांधकाम संकुलनात अडथळा येणारी खालील तक्त्यामधील दर्शवल्याप्रमाणे वृक्ष तोडीकारिता परवानगी मिळणेस अंबरनाथ नगरपरिषदेकडे अर्ज प्राप्त झाला आहे.

अ.क्र.	अर्जदाराचे नाव	झाडांचे नाव	झाडांची संख्या	झाडांचे अंदाजे एकूण वय
01.	भारती इन्फ्रा प्लॉट नं.473, न.भू.क्र.7385, कानसई, अंबरनाथ (पूर्व)	आंबा जंगली नारळ	02 01 01	93 28 30
	एकूण एकूण		वृक्ष संख्या -04	एकूण वय-151

तरी वरील प्रमाणे त्या ठिकाणी असलेली वृक्ष तोडणे प्रकरणी कोणचीही कोणत्याही प्रकारची हरकती/सूचना असतील तर त्या लेखी स्वरूपात व सकारण अंबरनाथ नगरपरिषदेच्या कार्यालयात दि.16/03/2026 रोजीपर्यंत कार्यालयीन कामकाजाच्या दिवशी व वेळेत आणून द्याव्यात. तद्नंतर आलेल्या हरकती/सूचना स्विकारल्या जाणार नाहीत.

सही/-
(उमाकांत गायकवाड)
मुख्याधिकारी तथा वृक्षअधिकारी,
अंबरनाथ नगरपरिषद, अंबरनाथ

ठिकाण : अंबरनाथ.
दि. 09/03/2026

जंग के बीच कुवैत से भारत लौटीं उर्वशी

■ फ्लाइट में बैठते ही घबराईं, आंखों में आए आंसू

■ सुरक्षित भारत पहुंचकर फैंस को दिया अपडेट

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला कुवैत से भारत लौट आई हैं। हालात बिगड़ने के बाद उन्होंने जल्दबाजी में कुवैत छोड़ दिया। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर बताया कि उस दौरान वह काफी डर गई थीं और उनकी आंखों से आंसू निकल आए थे।

दरअसल, हाल के दिनों में ईरान, अमेरिका और इज़राइल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव के कारण मिडिल ईस्ट में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। कई जगहों पर मिसाइल हमलों और सुरक्षा अलर्ट की खबरें सामने आ रही हैं। इसी बीच उर्वशी रौतेला भी अपने एक प्रोफेशनल काम के सिलसिले में कुवैत गई हुई थीं, लेकिन हालात अचानक बिगड़ने के बाद उन्हें तुरंत वहां से निकलना पड़ा। एक्ट्रेस ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में बताया कि जब तक वह फ्लाइट में बैठीं, तब तक सब ठीक था, लेकिन सीट पर बैठने के बाद अचानक उन्हें घबराहट महसूस होने लगी।

उन्होंने लिखा कि उनका दिल बहुत तेज धड़कने लगा और अचानक डर की भावना ने घेर लिया। उर्वशी ने कहा कि उस समय वह खुद को असुरक्षित और चिंतित महसूस कर रही थीं, इसलिए उन्होंने अपने फैंस से दुआ करने की अपील भी की।

मां फाउंडेशन ने हर्षोल्लास से मनाया विश्व महिला दिवस

ठाणे. अस्पताल से घर वापसी होने के बावजूद मां फाउंडेशन की मार्गदर्शिका प्रेमा ठाकुर ने शो मस्ट गो ऑन कहकर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 8 मार्च को माँ फाउंडेशन द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ घोड़बंदर रोड पातलीपाडा में विश्व महिला दिवस मनाया.

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि पूर्व नगरसेविका एवं पूर्व माजिवाड़ा - मानपाडा प्रभाग समिति अध्यक्षा बिंदु मढ़वी रही, जबकि ब्रह्मांड शाखा प्रमुख महेंद्र मढ़वी ने भी विशेष रूप से अपनी उपस्थिति दर्ज की थी. उक्त अवसर पर दृष्टिहीन महिलाओं के हाथों महिला दिवस का केक काटा गया. प्रेरणादायक महिलाओं को शॉल, पुष्पगुच्छ, सम्मान चिन्ह देकर उन्हें सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में सभी उपस्थित महिलाओं को गुलाब फूल से सम्मानित कर उन्हें महिला दिवस के अवसर पर साड़ी उपहार भेट दी गई. कार्यक्रम में पूर्व नगरसेविका बिंदु मढ़वी ने कहा वह भले ही अब नगरसेविका नहीं है लेकिन परिसर के लोगों को हमेशा उपलब्ध रहेंगी. जबकि महेंद्र मढ़वी ने कहा परिसर के सभी लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिले इसके लिए वह हर संभव सहायता करेंगे बशर्ते आप अपनी समस्या उन तक पहुंचाएं.

मां फाउंडेशन की मार्गदर्शिका प्रेमा ठाकुर का मानना है वर्ष के 365 दिन, दिन के 24 घंटे अपने परिवार के व्यस्त रहने वाली महिलाओं को कुछ पल के लिए राहत मिले, उनके चेहरे में खुशी झलके यही फाउंडेशन का उद्देश्य है. अस्पताल में भर्ती होकर घर आने के कारण बच्चे लोग मना कर रहे थे लेकिन मैंने कहा जो कार्यक्रम पिछले 9 वर्षों से आयोजित किया जा रहा है इस वर्ष भी किया जाना चाहिए क्योंकि

शो मस्ट गो ऑन मतलब शो रुकना नहीं चाहिए

फाउंडेशन के रमेश ठाकुर, किरण सालवे के अलावा ममता पवार, निलेश पाठक, शिवकुमार यादव, मुकेश मोड़वाडीया, राज पवार आकाश राय, सोहन सिंह आदि ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभाई. फाउंडेशन की उपाध्यक्षा जयलक्ष्मी सचिव नटेश पाटिल, कोषाध्यक्ष देवभा जडेजा है.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099